Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ●Saturday, 27 December 2025 ●Year : 04 ●Issue : 339 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

पढ़कर आदमी पढ़े-लिखे लोगों की तरह बोलने लगता है। बात करने का असली ढंग भूल जाता है।

-श्रीलाल शुक्ल

Shraddha Kapoor Charges More Money Than Alia Bhatt...

SHARE

सेंसेक्स	:	85,041.45
निफ्टी	:	26,042.30

SARAFA

सोना	:	12,985.00
चांदी	:	254.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गोरखपुर में स्कूल परिसर में 11वीं कक्षा के छात्र की हत्या

GORAKHPUR : शुक्रवार को गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र में 11वीं कक्षा के एक छात्र की स्कूल परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना दोपहर करीब एक बजे कोऑपरेटिव इंटर कॉलेज के खेल के मैदान में हुई, जहां कथित तौर पर विवाद के दौरान 11वीं कक्षा के छात्र सुधीर भारती को गोली मार दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारती खेल के मैदान में मौजूद था और कुछ बच्चों को मोटरसाइकिल चलाना सिखा रहा था, तभी मोहल्ले की पुरानी दुश्मनी को लेकर कहासुनी हो गई।

लोहरदगा में एसीबी ने पंचायत सचिव को ₹15000 घूस लेते किया गिरफ्तार

LOHARDAGA : शुक्रवार को लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड के भड़गांव और डांडू के पंचायत सचिव सुरेंद्र गुप्ता को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने 15000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पंचायत सचिव बागवानी योजना के लाभुक कृष्णा उरांव से मस्टररोल जेनरेट करने के लिए रिश्वत ले रहा था। इसकी शिकायत मिलने पर एसीबी ने अपने स्तर से मामले की जांच कराई। आरोप सही पाए जाने पर एसीबी की टीम डीएसपी के नेतृत्व में शुक्रवार को सेन्हा प्रखंड कार्यालय पहुंची। वहां जैसे ही कृष्णा उरांव ने पंचायत सचिव सुरेंद्र गुप्ता को रिश्वत के 15,000 रुपये दिए, वैसे ही एसीबी की टीम ने पंचायत सचिव को दबोच लिया।

केरल में पहली बार बना भाजपा का मेयर

THIRUVANANTHAPURAM : शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम में हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश चुनाव जीत गए हैं। उन्हें 51 वोट मिले, जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के पी. शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले। इस प्रकार केरल में भाजपा का कोई नेता पहली बार मेयर बना है।

वीर बालक दिवस पर भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

जेन-जी और जेन-अल्फा ही 'विकसित भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी : पीएम मोदी

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बालक दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी है। जेन-जी यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मी डिजिटल सक्षम युवा पीढ़ी और जेन-अल्फा यानी 2013 के बाद जन्मे तकनीक केंद्रित बच्चे। पीएम ने कहा कि वे युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य को समझते हैं और इसलिए उज्जवल भविष्य के लिए उन पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उम्र नहीं, कर्म और उपलब्धियां व्यक्ति को बड़ा बनाती हैं और कम उम्र में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं जो पूरे समाज को प्रेरणा दें।

अपने संबोधन में पीएम ने वीर साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए आज के जीवन के लिए प्रेरणादायक बताया। कहा कि साहिबजादों ने यह नहीं देखा कि रास्ता कितना कठिन है, उन्होंने केवल यह देखा कि रास्ता सही है या नहीं। यही भावना आज भारत के युवाओं से अपेक्षित है। बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब उसके बच्चों और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। उनका साहस, प्रतिभा और समर्पण ही देश की प्रगति का मार्गदर्शन करेगा। आज देशभर में लाखों बच्चे अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से नवाचार, शोध, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी और डिजाइन थिंकिंग से जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा का विकल्प बच्चों के लिए सीखने को और सहज बना रहा है।

उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य पर पूरा भरोसा

- उम्र नहीं, कर्म और उपलब्धियां ही किसी भी व्यक्ति को बनाती हैं बड़ा
- कम आयु में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं, जो पूरे समाज को दें प्रेरणा
- बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को डगमगाने न देना जरूरी
- साहिबजादों के अदम्य साहस व बलिदान को याद कर जीवन के लिए बताया प्रेरणादायक

गुलामी की मानसिकता पर किया प्रहार

प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि साहिबजादों की गाथा देश के हर नागरिक की जुबान पर होनी चाहिए थी, लेकिन दुर्भाग्यवश आजादी के बाद भी देश इस मानसिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि 1835 में मैकाले द्वारा बोए गए गुलामी के विचारों के बीजों ने भारत की अनेक सच्चाइयों को दबा दिया। अब देश ने तय कर लिया है कि इस मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। उन्होंने कहा कि 2035 तक, जब मैकाले की इस सोच को 200 साल पूरे होंगे, तब तक हमें पूरी तरह गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है। यह 140 करोड़ भारतीयों का साझा संकल्प होना चाहिए।

हालिया शीतकालीन सत्र का भी उल्लेख

मोदी ने हालिया शीतकालीन सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में हिंदी और अंग्रेजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लगभग 160 भाषण दिए गए, जिनमें तमिल, मराठी और बंगाली प्रमुख रहीं। उन्होंने कहा कि यह दृश्य दुनिया की किसी भी संसद में दुर्लभ है और यह भारत की भाषाई विविधता की ताकत को दर्शाता है। मैकाले ने जिस विविधता को दबाने की कोशिश की थी, वही आज भारत की शक्ति बन रही है।

क्रूर सत्ता के सामने अडिग रहे साहिबजादे

वीर साहिबजादों के बलिदान का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि औरंगजेब की क्रूर सत्ता के सामने भी चारों साहिबजादे अडिग रहे। यह संघर्ष भारत के मूल्यों और मजहबी कट्टरता के बीच, सत्य और असत्य के बीच था। गुरु गोबिंद सिंह जी त्याग और तपस्या के साक्षात प्रतीक थे और वही विरासत साहिबजादों को मिली थी। इसलिए पूरी मुगलिया ताकत भी उनके साहस को नहीं डिगा सकी।

क्रिकेटर वैभव समेत 20 प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

- सम्मान पाने वाले बच्चों में झारखंड की 14 साल की फुटबॉलर अनुष्का भी शामिल

NEW DELHI : शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वीर बाल दिवस के अवसर पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी सहित देश के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने साहस, खेल, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं नवाचार, समाज सेवा, कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देकर देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से न केवल अपने परिवार बल्कि समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि आज का भारत अपने बच्चों की प्रतिभा, साहस और संवेदनशीलता के बल पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुरस्कार पाने वाले बच्चों में झारखंड की 14 वर्षीय फुटबॉलर अनुष्का को खेल क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति ने सम्मानित किया। पुरस्कृत 20 बच्चों में से दो बच्चों- तमिलनाडु की व्योमा और बिहार के कमलेश को मरणोपरांत बाल पुरस्कार मिला।

सीआरपीएफ में आईजी का दायित्व संभालेंगे आईपीएस एवी होमकर

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड कैडर के वर्ष 2004 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी अमोल वेणुकांत होमकर को एक अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में एक आधिकारिक पत्र जारी कर झारखंड सरकार को नियुक्ति की जानकारी दी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि आईपीएस अधिकारी अमोल वेणुकांत होमकर को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए शीघ्र कार्यमुक्त किया जाए। गृह मंत्रालय के इस निर्णय के बाद झारखंड सरकार की ओर से आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर अधिकारी को केंद्रीय सेवा के लिए रिलीव किए जाने की संभावना है।

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी किया प्रतिनियुक्ति संबंधी आधिकारिक पत्र
- 2004 बैच के अधिकारी हैं अमोल वेणुकांत होमकर

पहले प्रेमिका को मारी गोली, फिर युवक ने कर लिया सुसाइड, रिम्स में चल रहा युवती का इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार की सुबह खलारी थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां एक युवक ने पहले अपनी प्रेमिका को गोली मार दी और फिर घर आकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह युवक ने केडीएच ग्राउंड के पास अपनी प्रेमिका को रोका। दोनों के बीच कुछ कहा सुनी हुई। इस दौरान युवक ने लड़की पर गोली चला दी। गोली लगने से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि लड़की को रांची रेफर किया गया है। ग्रामीण एसपी के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 9 बजे की है। लड़की अपने घर से कहीं जाने के लिए निकली थी। इसी बीच केडीएच ग्राउंड के पास लड़की को युवक ने घेर लिया और उसे गोली मार दी। इस घटना के बाद युवक अपने घर पहुंचा और वीडियो बनाया, जिसमें उसने बताया कि कैसे लड़की ने उसे धोखा दिया है।

- खलारी थाना क्षेत्र में केडीएच ग्राउंड के पास घटना को दिया गया अंजाम
- लड़की की शादी कहीं और तय होने के बाद से परेशान था युवक

कोल्ड वेव से बढ़ी कनकनी आज दो डिग्री सेल्सियस गिर सकता है न्यूनतम तापमान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के कई जिले शीतलहर की चपेट में हैं। दिन में कहीं-कहीं धूप निकलने से थोड़ी राहत है, लेकिन ठंडी हवाएं परेशानी बढ़ा रही हैं। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, शनिवार को झारखंड के विभिन्न जिलों में तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। इसकी वजह से कनकनी में और वृद्धि होगी। विभाग के अनुसार तापमान में गिरावट के बाद फिर से धीरे-धीरे तीन डिग्री की वृद्धि होगी।

अगले पांच दिनों तक राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। मौसम विभाग ने दिसंबर माह तक कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले पांच दिनों तक सुबह और शाम में मध्यम दर्जे का कुहासा रहने की भी बात कही गई है। शुक्रवार को रांची सहित आसपास के जिलों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन सुबह में भारी कनकनी महसूस की गई। दोपहर में धूप में तल्खी महसूस की गई। बावजूद इसके, मध्यम दर्जे की ठंडी हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी का एहसास नहीं हुआ।

- पांच दिनों तक सुबह और शाम में मध्यम दर्जे का कुहासा रहने की है संभावना
- डाल्टनगंज में 5.6 व रांची में 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया मिनिमम टेंपरेचर

चाईबासा का रहा सबसे अधिक तापमान : शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 21.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम 10 डिग्री, डाल्टनगंज में 23.2 और 5.6 डिग्री, बोकारो में 21.6 और 7.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 और न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

केंद्र सरकार ने जारी की चेतावनी, समय पर संपत्ति का विवरण दाखिल करें आईएएस अधिकारी

- निर्देश का पालन नहीं करने पर पदोन्नति से वंचित सहित की जाएगी अन्य कार्रवाई
- अगले वर्ष 31 जनवरी तक वार्षिक अचल संपत्ति रिटर्न जमा करना अनिवार्य

NEW DELHI @ PTI : केंद्र ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सभी अधिकारियों को समय पर अपनी संपत्ति का विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया है और कहा है कि ऐसा न करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही तथा पदोन्नति से वंचित करने सहित कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सभी आईएएस अधिकारियों के लिए अगले वर्ष 31 जनवरी तक 'वार्षिक अचल संपत्ति रिटर्न' (आईपीआर) जमा करना अनिवार्य है। बता दें कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने जनवरी 2017 से 'स्पैरो' मॉड्यूल के माध्यम से आईएएस अधिकारियों के संबंध में आईपीआर संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा शुरू की थी। केंद्रीय विभागों के सचिवों और सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गए 23 दिसंबर के पत्र में कहा गया है, यह वास्तव में अत्यंत संतोष की बात है कि अधिकारी वर्षों से अपना आईपीआर या तो इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा कर रहे हैं या पारंपरिक रूप से भरे गए आईपीआर की 'स्कैन' की गई प्रति अपलोड कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि यह ऑनलाइन मॉड्यूल निर्धारित समय-सीमा यानी कैलेंडर वर्ष 2025 के संबंध में 31 जनवरी, 2026 के बाद स्वचालित रूप से बंद हो जाएगा।

टोरंटो यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

TORONTO@PTI : कनाडा में टोरंटो यूनिवर्सिटी के स्कारबोरो परिसर के पास 20 वर्षीय भारतीय शोध (डॉक्टरेट) छात्र शिवांक अवस्थी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस मामले में हत्या के पहलू से जांच कर रही है। ड्यूटी इंस्पेक्टर जेफ एलिंगटन ने घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि पुलिस को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हाइलैंड क्रीक ट्रेल और ओल्ड किंग्स्टन रोड के पास एक घायल व्यक्ति के पड़े होने की सूचना मिली थी। टोरंटो पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर पुलिस के पहुंचने से पहले ही इलाके से फरार हो गया था। खबर के मुताबिक, जब अधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने व्यक्ति को पाया, जिसे गोली लगी थी और उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस मामले की जांच हत्या के रूप में कर रही है। एलिंगटन ने कहा, फिलहाल हमारा ध्यान सबूतों को संरक्षित करने और यह पता लगाने पर है कि ऐसा क्या हुआ था जिसके कारण छात्र को गोली मारी गई। मृतक के परिजनों को भी सूचित करना है। इसी कारण फिलहाल बहुत अधिक जानकारी साझा करना संभव नहीं है। अब तक हमलावर का कोई हुलिया या विवरण जारी नहीं किया गया है। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास हुई गोलीबारी की घटना में युवा भारतीय शोध छात्र शिवांक अवस्थी की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।

सीएम हेमंत सोरेन ने की शीतलहर में सावधानी बरतने की अपील

प्रदेश में जारी शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों से अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने का आग्रह किया है, विशेषकर सुबह और शाम के समय, जब ठंड का प्रकोप अधिक रहता है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए सभी नागरिक गर्म कपड़े पहनें और विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने ठंड से बचाव के लिए अलाव या हीटर का उपयोग करते समय पूरी सतर्कता बरतने की सलाह दी है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। साथ ही उन्होंने कमरों में उचित वायु संचार (वेंटिलेशन) बनाए रखने पर भी जोर दिया है। हेमंत सोरेन ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में खांसी-जुकाम, अत्यधिक कमजोरी, सांस लेने में कठिनाई, चक्कर आना या भ्रम जैसी समस्याएं दिखाई दें, तो इसे हल्के में न लें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करें। आपात स्थिति में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए उन्होंने बताया कि नागरिक 108 एंबुलेंस सेवा, 104 स्वास्थ्य हेल्पलाइन या 1800-345-6540 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्यवासियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस कठिन मौसम में सरकार पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी अपील की।

आत्मनिर्भरता नए साल में जल्द ही भारतीय सेना में शामिल करने का रास्ता साफ

दुश्मनों की हरकतों को करारा जवाब देगी नई मिसाइल प्रणाली

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न विजन के तहत देश के डिफेंस सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर तेजी से काम हो रहा है। इस कड़ी में कुछ दिन पहले ही यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि भारत की उन्नत आकाश-एनजी मिसाइल के उपयोग से संबंधित कई स्तरों पर मूल्यांकन और परीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके साथ ही नए साल में जल्द ही इसके सेना और वायुसेना में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। विशेषज्ञों की दृष्टि में नई पीढ़ी की सतह से हवा में प्रहार करने वाली यह मिसाइल प्रणाली दक्षिण एशिया में सुरक्षा समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। आकाश-एनजी प्रणाली तेज गति से आने वाले हवाई खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया है परीक्षणों के दौरान आकाश एनजी मिसाइलों ने कम ऊंचाई व लंबी दूरी और अधिक ऊंचाई वाली परिस्थितियों में हवाई लक्ष्यों को अत्यंत सटीकता के साथ सफलतापूर्वक भेदा। परीक्षणों के दौरान डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ वायुसेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।

तेज गति से आने वाले हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है आकाश-एनजी प्रणाली

- डीआरडीओ के वैज्ञानिकों और वायु सेना के अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ परीक्षण
- इस मिसाइल में ध्वनि की गति से ढाई गुनी तेज रफ्तार से आगे बढ़ने की है क्षमता
- उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर हवाई खतरों के खिलाफ उपलब्ध होगा शक्तिशाली कवच
- 60 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले इस सिस्टम में 96% लगी है स्वदेशी सामग्री

- दक्षिण एशिया में सुरक्षा संबंधी समीकरणों को बदलने की जताई जा रही संभावना

स्टील्थ फाइटर जेट व क्रूज मिसाइल पर सटीक निशाना

ध्वनि से ढाई गुनी अधिक रफ्तार से आगे बढ़ने वाली इस मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता लगभग 60 किलोमीटर है। उच्च तकनीक पर आधारित यह उन्नत संस्करण भारत की उत्तर और पश्चिम सीमाओं पर आधुनिक हवाई खतरों के खिलाफ एक शक्तिशाली कवच प्रदान करेगा। आकाश-एनजी दुश्मन के स्टील्थ फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल और ड्रोन जैसे लो रडार क्रॉस सेक्शन वाले खतरों को सटीक निशाना बना सकता है।

विदेशी हथियारों पर कम हुई निर्भरता

विशेषज्ञों के अनुसार, लगभग 96 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री वाली यह मिसाइल प्रणाली विदेशी हथियारों पर देश की निर्भरता कम करती है। आकाश एनजी को आधुनिक कमान-नियंत्रण नेटवर्कों के साथ जोड़ा जा सकता है, जिससे यह अन्य रक्षा प्रणालियों के साथ एकीकृत रूप से कार्य कर सकती है। मतलब साफ है कि सेनाओं के लिए अब किसी भी हवाई दुस्साहस का जवाब देना पहले की अपेक्षा आसान हो गया है। पूर्व वायुसेना प्रमुख अरूप राहा के अनुसार, आधुनिक युद्धों में बेहतर एयर डिफेंस क्षमताएं होना बहुत महत्वपूर्ण है।

लुटेरों को पकड़ने निकली थी पुलिस ज्वेलरी शॉप में हो गई लाखों की चोरी

जामताड़ा के मिहिजाम में चोरों ने दुकान के पिछली दीवार में लगाई सेंध

PHOTON NEWS JAMTARA : झारखंड के जामताड़ा में कायस्थपाड़ा चौक पर आभूषण की दुकान में गोली मारकर की गई लूट की वारदात निपटाने में पुलिस जुटी थी कि गुरुवार को देर रात मिहिजाम के एक आभूषण दुकान में लाखों की चोरी हो गई।

क्रिसमस की रात पुलिस पिछले वारदात के अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रही थी कि इसी बीच मिहिजाम बाजार में शिरडी ज्वेलर्स के पीछे दीवार में सेंध लगा कर चोर लाखों के गहने ले उड़े। लगातार हो रही वारदात पुलिस-प्रशासन को परेशान कर रही है। वहीं, चोरी की घटनाओं से कारोबारियों और आमजनों में पुलिस-प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है।

खोजी कुत्ते के साथ जांच करती पुलिस टीम

गुरुवार को देर रात आभूषण दुकान में हुई चोरी की घटना में गहनों की कीमत का पता नहीं चल पाया है। दुकान के मालिक शिव कुमार ने बताया कि सुबह जब वह दुकान खोलने आए तो उन्होंने देखा कि दुकान के पीछे की दीवार कटी हुई है और अंदर से ज्यादातर गहने व सामान गायब हैं। वहीं मौके पर पहुंचे मिहिजाम के थाना प्रभारी विवेकानंद दुबे ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और जल्दी ही चोरी का खुलासा होगा। घटना के बाद फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी पहुंची है और मामले की पड़ताल में जुटी रही। घटना की सूचना पाकर भाजपा के जामताड़ा जिला अध्यक्ष सुमित शरण भी पहुंचे।

उन्होंने बताया कि लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दो दिन पहले ही जामताड़ा वर्मा ज्वेलर्स में गोली बारी करके चोरी और आज मिहिजाम मुख्य बाजार में चोरी की वारदात हो गई। आखिर जनता ऐसी पुलिसिंग से कैसे सुरक्षित महसूस करेगी। जिले की कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है।

जेवर दुकान में चोरी के विरोध में दूसरे दिन भी बंद रहीं बिशुनपुरा की दुकानें

GARHWA : गढ़वा जिला अंतर्गत बिशुनपुरा बाजार में बुधवार की देर रात व्यवसायी राम हरख प्रसाद गुप्ता के प्रतिष्ठान शुभलक्ष्मी वस्त्रालय सह मुन्ना ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना से व्यवसायियों में खासा आक्रोश है। घटना के विरोध में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी बिशुनपुरा के कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। बाजार बंद रहने की सूचना पर बिशुनपुरा के थाना प्रभारी राहुल सिंह दल-बल के साथ पहुंचे और व्यवसायियों को समझा-बुझाकर दुकान खोलने का अनुरोध किया। लेकिन, व्यवसायियों ने चोरी की घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी तथा व्यवसायियों की सुरक्षा की मांग करते हुए थाना प्रभारी के अनुरोध को ठुकरा दिया। व्यवसायी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बीच बाजार में घटी इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब तक चोरी का खुलासा नहीं होगा, सभी दुकानें बंद रहेंगी। कारोबारी सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। यहां बता दें कि 24 दिसंबर को हुई घटना में चोर लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण, नकदी व कपड़े ले गए हैं।

प्रिंस खान के नाम पर रंगदारी मांगने वाले दो अपराधी धराए

पत्रकारों को मामले की जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन

PALAMU : शहर थाना अंतर्गत पंचमुहान चौक के पास गोल्ड हाउस दुकान के मालिक रंजीत कुमार सोनी को गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर फोन और वाट्सएप के माध्यम से एक करोड़ रुपये रंगदारी मांगी गई थी। राशि नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस संबंध में दुकान मालिक ने 21 दिसंबर को शहर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। इसी बीच 25 दिसंबर को गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने कांग्रेस भवन के समीप नगर निगम के निमार्णाधीन भवन में छापामारी कर दो अपराधियों को हथियार व गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। शहर थाना के पहाड़ी मुहल्ला निवासी मो. नाजीम (25) और मुर्तजा अंसारी (28) ने बताया कि उनकी गैंगस्टर प्रिंस खान से मोबाइल पर बात हुई थी। उन्हें प्रिंस खान ने सोना दुकान के पास बाजार में दहशत फैलाने और फायरिंग करने के लिए कहा था। इसके लिए मो. नाजीम के खाते में प्रिंस खान ने 24,000 रुपये भी भेजे थे। अभियुक्तों ने बताया उन्हें प्रिंस खान का मोबाइल नंबर यूट्यूब न्यूज चैनल 'जो प्रेम सिंह, चतरा' से मिला था। गिरफ्तार दोनों अभियुक्त 25 दिसंबर को सोना दुकान के पास फायरिंग की योजना बना रहे थे, इसी दौरान उन्हें हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

BRIEF NEWS

नववर्ष को देखते हुए रात में हुई सघन वाहन जांच

CHATRA : त्योहार एवं नववर्ष को देखते हुए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गुरुवार की रात को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल के निदेर्शानुसार विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी गई। ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से वाहन चालकों व सवारों की जांच की गई। जिला पुलिस के अनुसार, इस अभियान में 153 चारपहिया व 317 दोपहिया वाहनों की जांच की गई। जांच टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर सत्यापन किया गया। चेकिंग के दौरान लोगों को सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपिल करते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

खूंटी में पुलिस ने बांटे कंबल

KHUNTI : सामुदायिक पुलिसिंग के तहत शुक्रवार को मारंगहादा थाना अंतर्गत लांदुप पंचायत के जरूरतमंद ग्रामीणों में कंबल वितरण किया गया। इसके साथ ही ग्राम प्रधान, वार्ड मेंबर और ग्रामीणों के बीच अफीम-पोस्ता की खेती के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाकर अफीम की खेती से जमीन एवं मानव जीवन को होने वाले नुकसान, कानूनी कारवाई से संबंधित विषयों पर जागरुक किया गया।

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर निकली भव्य शोभायात्रा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में शुक्रवार शाम को खालसा पंथ के संस्थापक दसवें गुरु गोविंद सिंह के 359वें प्रकाशोत्सव की पूर्व संध्या पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गुरुद्वारा परिसर से आरंभ होकर असलम चौक, पवन चौक, शहीद भगत सिंह चौक, पुरानी रांची रोड, इलाहाबाद बैंक, बाटा रोड होते हुए वापस गुरुद्वारा आकर समाप्त हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गुरुग्रंथ साहिब पर पुष्पवर्षा की। शोभा यात्रा में परंपरा अनुसार श्री गुरुग्रंथ साहिब की सवारी गाड़ी को फूल माला एवं बिजली के झालरों से भव्य तरीके से सजाया था। शोभायात्रा के साथ पंजप्यारे निशान साहिब लेकर और महिला-पुरुष सबद-कीर्तन करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में ज्ञानी सरबजीत सिंह, गुरु सिंह सभा के अजीत सिंह, रमेश छाबड़ा, पप्पू छाबड़ा, सीटू छाबड़ा, सोनू सेठी सिंह, जसपाल सिंह, रिकी छाबड़ा, मोनू सिंह, प्रिंस सिंह, अनमोल सिंह, पीयूष छाबड़ा, तरनदीप सिंह, शरणदीप सिंह, सोनू कौर, मनजीत कौर, राजरानी सलूजा, मनजीत कौर, सोनू कौर, शरण कौर, रानी छाबड़ा, परमजीत कौर समेत काफी संख्या में समाज के लोग शामिल थे।

बूढ़ीगोड़ा फुटबॉल में चक्रधरपुर बना चैंपियन

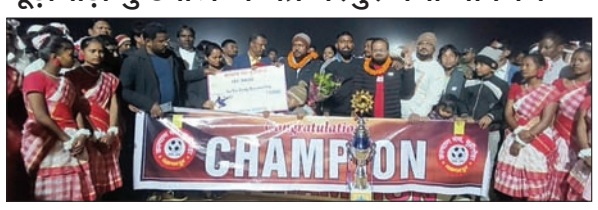

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत सिलफोड़ी पंचायत में कल्याण मंच बूढ़ीगोड़ा ने क्रिसमस पर आयोजित पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुक्रवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता का फाइनल यश ब्रदर्स गोपीनाथपुर बनाम वाईबीसी चक्रधरपुर के बीच खेला गया। पेनाल्टी शूटआउट में वाईबीसी चक्रधरपुर की टीम 4-3 से विजयी हुई। तीसरे स्थान पर श्री इलेवेन व चतुर्थ विजेता यंग स्टार ओटार (सोरेन सिपाही) की टीम रही। विजेता टीम को दो लाख 20 हजार रुपये, उपविजेता टीम को एक लाख 40 हजार रुपये, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 60 हजार नकद पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुष में 40 प्लस आयु वर्ग के फाइनल में सोल्जर यूनाइटेड बनाम हेंब्रम एफसी जमशेदपुर पुलिस के बीच मुकाबला हुआ। इसमें सोल्जर यूनाइटेड की टीम ने 4-0 से मुकाबला जीत लिया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि खरसावां के विधायक दशरथ गागराई व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी विजय गागराई उपस्थित थे।

गोवंश की हत्या का आरोपी किया गया गिरफ्तार, 10 फरार

PALAMU : जिले के रामगढ थाना क्षेत्र के कुंडपानी गांव में गोवंशी पशु की हत्या की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर घटना में शामिल एक आरोपी को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। मौके से प्रतिबंधित मांस भी बरामद किया गया। पुलिस ने चैनपुर के पशु चिकित्सकों के सहयोग से बरामद मांस की सैंपलिंग कर जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला, रांची भेज दिया है। इधर, गिरफ्तार कुंडपानी गांव के अभियुक्त धरमू उरांव (62) को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संबंध में मुसरमू गांव के मोहन यादव ने 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस 10 अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। थाना प्रभारी के

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

अनुसार मुसरमू गांव का एक युवक अपने मवेशी को खोजते हुए कुंडपानी गांव की ओर गया था। वहां उसने एक खेत में देखा कि कुछ लोग प्रतिबंधित गोवंशीय पशु की हत्या कर उसके मांस के टुकड़े कर रहे हैं। जब उसने विरोध किया तो वहां मौजूद लोगों ने उसे डरा धमका कर भगा दिया। उसने इसकी जानकारी गांव वालों को दी। गुरुवार सुबह ग्रामीण जुटे और घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां पर गोवंशीय पशु का अवशेष और मांस मिला।

कार से टकराई तेज रफ्तार बाइक युवक की मौत

KHUNTI : खूंटी रांची रोड में खूंटी के नवनिर्मित बस स्टैंड के समीप गुरुवार की रात लगभग 10 बजे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थानांतर्गत बोकबा गांव निवासी दिलेश्वर नायक के 22 वर्षीय पुत्र रोहित नायक के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रांची के एक होटल में काम करने वाले रोहित नायक गुरुवार को खूंटी में रहने वाले अपने मामा सुरेंद्र मछुआ के यहां आयोजित बर्थडे पार्टी में आया था। रात में पार्टी के बाद वह वापस बाइक से रांची लौट रहा था। उसी दौरान रांची रोड में खूंटी के नवनिर्मित बस स्टैंड के समीप तेज रफ्तार में चल रही उसकी बाइक एक कार के पिछले हिस्से से जा टकराई। इस दुर्घटना में बाइक सवार रोहित नायक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से रोहित को इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे स्वजनों को सौंप दिया।

डीजीएमएस के खिलाफ नागरिक सुरक्षा मंच ने किया धरना-प्रदर्शन

धरना पर बैठे नागरिक सुरक्षा मंच के सदस्य

AGENCY DHANBAD : नागरिक सुरक्षा मंच की ओर से डीजीएमएस के खिलाफ शुक्रवार को रंधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन दिया गया। धरना प्रदर्शन में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर धनबाद में स्थापित डीजीएमएस की कार्यशैली पर सवाल उठाया। इस दौरान धरना दे रहे संगठन से जुड़े लोगों ने कहा कि डीजीएमएस का काम सुरक्षा के मपदंडों को उजागर कर बीसीसीएल को आगाह करना है, लेकिन धनबाद में डीजीएमएस, बीसीसीएल के इशारे पर काम कर रही है। इसका नतीजा है की धड़ल्ले से कोयले का अवैध उत्खनन की वजह से लोगों की जान जा रही है। ताजा मामला केन्दुआडीह में हो रहे जहरीली गैस का रिसाव है। इसकी जवाबदेही डीजीएमएस की थी, लेकिन समय पर सही रिपोर्ट नहीं देने पर लोगों में आक्रश है। उन्होंने कहा कि यदि डीजीएमएस की यही स्थिति बनी रही तो हमें विवश होकर डीजीएमएस कार्यालय का घेराव करना पड़ेगा।

युवक का मिला शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

AGENCY DHANBAD : झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा डुमरी दो नंबर इलाके में शुक्रवार को एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान संतोष शर्मा (42) के रूप में हुई है, जो डुमरी मोड़ पर एसटीडी और फोटो फ्रेमिंग की दुकान चलाता था। स्थानीय लोगों की ओर से नाले में शव देखे जाने के बाद इसकी सूचना जोड़ापोखर थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजन और स्थानीय महिलाओं के अनुसार संतोष शर्मा काफी मिलनसार स्वभाव का था। गुरुवार रात उसने अपनी

परिजनों से पूछताछ करते पुलिस पदाधिकारी

पत्नी से फोन पर बात कर कहा था कि खाना बनाकर रखो घर आ रहा हूं। लेकिन इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। वहीं, शुक्रवार सुबह उसका शव नाले में मिलने की सूचना मिली। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। जिससे लोग हत्या का संदेह प्रकट कर रहे हैं। इस संबंध में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाले से शव बरामद किया गया है। मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। फिलहाल दो युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

प्रदूषण रोकने के लिए विधायक ने बीसीसीएल को दिया अल्टीमेटम

DHANBAD : जिले के केंदुआडीह और पुटकी क्षेत्र में कोयला उत्खनन के दौरान हो रहे प्रदूषण के खिलाफ शुक्रवार को पर्यावरण बचाव संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीणों ने कच्छी बलिहारी से पुटकी नेहरू पार्क तक विरोध जुलूस निकाला, जो नेहरू पार्क में एक दिवसीय धरने में तब्दील हो गया। धरना के दौरान लोगों ने बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं धरना में शामिल डुमरी विधायक जयराम महतो और धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि बीसीसीएल सारे नियमों को ताख पर रख यहां कोयला उत्खनन का कार्य कर रही है। उन?होंने कहा कि कोयला उत्खनन के कारण क्षेत्र में वायु प्रदूषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी फैल रहा है। वहीं विधायक राज सिन्हा ने कहा कि इस मुद्दे पर उनका दूरभाष पर बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल से बात हुई है। उन्होंने तत्काल इस संबंध में स्थानीय जीएम को पानी का छिड़काव करने का निर्देश दिया है। वहीं विधायक राज सिन्हा ने कहा कि कोयला उत्खनन के दौरान निकलने वाले ओबी को डंप करने के दौरान भारी मात्रा में प्रदूषण पैदा हो रहा है।

रमना बाजार में अगलगी से घर व कपड़ा दुकान हुई खाक

घर व दुकान से उठती आग की लपटें

GARHWA : रमना थाना क्षेत्र के रमना बाजार में शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे जमुना प्रसाद के कपड़ा दुकान और घर में आग लग गई। घटना की सूचना मिलने पर करीब एक घंटे बाद श्रीबंशीधर नगर से दमकल की गाड़ी पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुना प्रसाद के घर और दुकान से धुआं उठते देख लोगों ने शोर मचाया। स्थानीय युवक आग बुझाने में जुटे, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी गई। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। घटना की सूचना मिलने पर रमना थाना की पुलिस पहुंची और अगलगी के कारणों की छानबीन में जुट गई। वहीं, जमुना प्रसाद का परिवार इस घटना से सदमे में डूब गया है। कारोबारी के मुताबिक, इस घटना से उन्हें करीब आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

आयोजन बीबीएमकेयू के दूसरे दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने छात्रों से की अपील

जीवन में नई जिम्मेदारियों को स्वीकार करने की शुरुआत : राज्यपाल

PHOTON NEWS DHANBAD : राज्यपाल सह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। न्यू टाउन हॉल में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल ने 164 पीएचडी और गोल्ड मेडलिस्ट छात्र-छात्राओं को डिग्री व उपाधि प्रदान की।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि यह दिन छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि आपने विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी की है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह सिर्फ डिग्री लेने का मौका नहीं है, बल्कि जीवन में नई जिम्मेदारियों को स्वीकार करने

मंच पर उपस्थित राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य

की एक औपचारिक शुरूआत है। आज का दौर सिर्फ डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं है। खोज, इनोवेशन और रिसर्च के लिए नए अवसरों की लगातार तलाश करने की जरूरत है। इससे छात्रों के साथ-साथ देश को भी एक नई दिशा मिलेगी। शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनना चाहिए। छात्रों को हमेशा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग नैतिकता और ईमानदारी के साथ करना चाहिए। राज्यपाल ने छात्रों से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और कम से कम एक बच्चे को शिक्षित करने की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर हर पढ़ा-लिखा युवा, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, एक बच्चे के भविष्य को संवारने का संकल्प ले, तो निरक्षरता, गरीबी और असमानता की जड़ें अपने आप कमजोर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शिक्षा को समावेशी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

यूनिवर्सिटी में खाली पदों को भरने का प्रयास जारी

समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि सभी यूनिवर्सिटी सत्र नियमित हों और प्रक्रियाएं ठीक से हों। खाली पदों को भरने के प्रयास जारी हैं। कुछ जगहों पर वाइस-चांसलर की नियुक्ति की प्रक्रिया में समय लग रहा है, लेकिन यह अगले महीने तक पूरी हो जाएगी। आने वाले समय में यूनिवर्सिटी में समस्याएं कम से कम होंगी। राज्यपाल ने कहा कि हमारे राज्य में बच्चों के लिए उच्चशिक्षा के अवसरों की कमी है। कम छात्र एडमिशन ले रहे हैं। इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

विधायक के हस्तक्षेप के बाद नगर निगम के सफाई कर्मियों का धरना समाप्त

DHANBAD : धनबाद नगर निगम की सफाई एजेंसी रेमकी के करीब 550 सफाईकर्मियों का जनता श्रमिक संघ के बैनर तले जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल आज चौथे झरिया विधायक सह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह के हस्तक्षेप के बाद कंपनी के अधिकारियों के साथ घण्टों चली बैठक के बाद शुक्रवार को धरना समाप्त हो गया। धरना के चौथे दिन मौके पर पहुंची झरिया विधायक रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह का कंपनी पदाधिकारियों के साथ घंटो चले वार्ता के बाद निगम के सफाई कर्मियों की तमाम मांगों पर सहमति बनने और मृत आश्रितों को जल्द से जल्द नियोजन देने का आश्वासन मिलने के बाद निगम के सफाई कर्मियों ने अपना अनिश्चितकालीन धरना समाप्त कर दिया। वहीं, जानकारी देते हुए विधायक रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह ने कहा कि नगर निगम के प्रशासक मजदूरों के हित के लिए कोई भी काम नहीं करते हैं, जिसकी वजह से आज मजदूरों को यह कदम उठाना पड़ा। जबकि मजदूरों की मांग जायज है, उनके हक और अधिकार के लिए जनता मजदूर संघ हमेशा उनके साथ है।

BRIEF NEWS

आर्चबिशप ने जरूरतमंदों में बांटा भोजन और कंबल

RANCHI : रांची कैथलिक पल्ली के तत्वावधान में सोसाइटी ऑफ सेंट विंसेंट डी पॉल की ओर से शुक्रवार को लोयोला ग्राउंड में जरूरतमंदों भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर आर्चविशप विंसेंट आईंद ने और राज्यसभा सांसद महुआ माझी ने जरूरतमंदों में भोजन और कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने सभी के लिए अच्छे जीवन और ईश्वर की कृपा की कामना की। इसके बाद उन्होंने उपस्थित जरूरतमंद लोगों को भोजन और कंबल प्रदान किया। आर्चविशप ने बताया कि सोसाइटी ऑफ सेंट विंसेंट डी पॉल वर्ष 1975 से निरंतर क्रिसमस के बाद गरीबों को भोजन खिलाने एवं कपड़े वितरण का कार्य करती आ रही है। इस अवसर पर सांसद महुआ माजी ने भी जरूरतमंदों में भोज और कंबल का वितरण किया और समाजसेवकों के कार्य की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय जूनियर थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड को मिले तीन पदक

RANCHI : कर्मवीर नवीन चंद्र बोडोलोई इंडोर स्टेडियम, सरुसजाई, गुवाहाटी में आयोजित तीन दिवसीय 31वीं राष्ट्रीय जूनियर थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड को तीन पदक मिले हैं। झारखंड थांग-ता संघ के अध्यक्ष रंजीत केशरी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गत 22 दिसंबर से शुरू इस मैच का समापन हुआ। जिसके साथ ही झारखंड के रांची निवासी कौशिकी सिंह ने रजत पदक जीता है। इसके साथ ही पलामू के रेहान कादरी तथा धनबाद की कशिश कुमारी ने भी अपने अपने भार वर्ग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रामस्वरूप हेम्ब्रम के नेतृत्व में झारखंड से 14 खिलाडियों ने भाग लिया था।

10 जनवरी को होगी झारखंड जदयू कार्य समिति की बैठक

RANCHI : झारखंड प्रदेश जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने आगामी कार्य समिति बैठक की तारीख तय कर दी है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले यह बैठक 5 जनवरी को आयोजित होने वाली थी, लेकिन अब इसे 10 जनवरी को बुलाया गया है। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो और विधायक सरयू राय रांची से सदस्यता अभियान की शुरूआत करेंगे। इसके बाद, राज्य के सभी जिलों में पार्टी के नेता जोरो-शोर से सदस्यता अभियान चलाएंगे। इस अभियान का लक्ष्य है कि राज्य भर के पांच लाख लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए।

ज्यादा स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों की आंखों में हो रही परेशानी

VIVEK SHARMA, RANCHI : बच्चों के बीच आंखों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के अनुसार, मोबाइल फोन, टैबलेट, कंप्यूटर और टीवी के ज्यादा उपयोग के कारण बच्चों की आंखें बीमार हो रही हैं। इतना ही नहीं बच्चों की आंखों में जलन, सूखापन, लालिमा, दर्द और बार-बार सिरदर्द की शिकायतें आम होती जा रही हैं। आई स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का कहना है कि यह स्थिति अब केवल बड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि कम उम्र के बच्चे भी ड्राई आई डिजीज और आई स्ट्रेन जैसी समस्याएं देखने को मिल रही है। डिजिटल डिवाइस के लंबे और लगातार इस्तेमाल से आंखों की पलकें कम झपकती हैं। जिससे आंखों में नमी की कमी हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि रोजाना स्क्रीन टाइम में वृद्धि ड्राई आई डिजीज के खतरे को बढ़ा सकती है। आज आंखों के क्लिनिक में ऐसे बच्चे आ रहे हैं, जिनकी समस्याएं पहले वयस्कों में देखी जाती थीं।

- कम उम्र में लग रहा ज्यादा पावर का चश्मा
- मोबाइल और कंप्यूटर पर घंटों पढ़ाई से हो रहा मायोपिया
- डिजिटल डिवाइस के लंबे और लगातार इस्तेमाल से कम झपकती हैं पलकें
- दिनभर में एक घंटे से ज्यादा स्क्रीन पर समय नहीं बिताने की अपील

अधिक समय स्क्रीन देखने से ड्राई आई सिंड्रोम की चपेट में आ रहे बच्चे

स्टडी रिपोर्ट में किया गया खुलासा

इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी 2024 में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, डिजिटल डिवाइस का अत्यधिक उपयोग स्कूली बच्चों में ड्राई आई डिजीज के मामलों को तेजी से बढ़ा रहा है। स्टडी में पाया गया कि जो बच्चे रोजाना 8 से 10 घंटे स्क्रीन के सामने बिताते हैं, उनमें इस बीमारी का जोखिम कहीं अधिक है। स्टडी में ये भी पाया गया है कि ड्राई आई डिजीज से पीड़ित बच्चे सामान्य बच्चों की तुलना में 60 से 70 प्रतिशत अधिक स्क्रीन का उपयोग कर रहे थे। वहीं, लंबे समय तक स्क्रीन देखने के कारण पलक झपकने की दर में कमी आई है।

10% बच्चों में शिकायत

आई स्पेशलिस्ट डॉ. प्रीतीश प्रणय ने बताया कि ओपीडी में आने वाले 10 प्रतिशत बच्चों को आंखों में लाली, पानी आना और सिरदर्द की शिकायत होती है। जिसका एक बड़ा कारण लंबे समय तक मोबाइल का इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल और लगातार पढ़ाई से आंखों पर दबाव पड़ता है। ऐसे में बच्चों में मायोपिया जैसी समस्या भी दिख रही है। उन्होंने कहा कि इस वजह से ज्यादा पावर का चश्मा छोटे बच्चों को लग रहा है। अगर यही स्थिति रही तो आने वाले समय में ये आंकड़ा और तेजी से बढ़ेगा।

इस प्रकार करें कंट्रोल

डॉक्टर ने कहा कि नियमित पढ़ाई के बीच ब्रेक लेने की जरूरत है। कम से कम आधे घंटे में 20-30 सेकेंड का ब्रेक ले। आउटडोर खेल के लिए बाहर निकले और रोज कम से कम 60 मिनट धूप में रहे। इससे मायोपिया को कंट्रोल किया जा सकता है। फिजिकल एक्टिविटी से भी आंखों को आराम मिलता है। इसलिए एक्सरसाइज भी जरूरी है। आंखों के एक्सरसाइज के लिए पलकों को झपकाते रहे। वहीं थोड़ी देर के लिए आंखों को बंद भी रखे।

ऐसे बरतें एहतियात

एक्सपर्ट्स का कहना है कि दिनभर में स्क्रीन टाइम एक घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अगर इससे ज्यादा टाइम मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी पर दे रहे है तो उसके लिए एहतियात भी बरतने की जरूरत है। इसके लिए पैरेंट्स को भी ध्यान देना होगा। छोटे बच्चों को कुछ मिनट के लिए फोन देकर वापस लेने की आदत डाले। पैरेंट्स बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखें, नियमित आंखों की जांच कराएं और आउटडोर एक्टिविटी को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। जिससे कि भविष्य में आंखों की गंभीर बीमारियों से बचा जा सके।

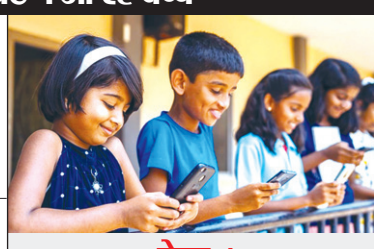

केस-1

10 वर्षीय बच्चे की मां ने बताया कि ऑनलाइन क्लास के बाद उनके बेटे को आंखों में जलन और सिरदर्द रहने लगा था। डॉक्टर की सलाह पर स्क्रीन ब्रेक और आंखों के एक्सरसाइज शुरू करने से कुछ ही हफ्तों में स्थिति में सुधार हुआ।

केस-2

7 साल की बच्ची के पिता ने कहा कि मोबाइल का इस्तेमाल सीमित करने और आउटडोर खेलने से उनकी बेटी की आंखों की समस्या में काफी सुधार आया है।

पेसा नियमावली को लेकर मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, हेमंत बोले-

गांवों के मजबूत होने के बाद ही पूरा राज्य बन सकेगा ताकतवर

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में केंद्रीय सरना समिति, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा और आदिवासी बालक-बालिका छात्रावास रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्य सरकार द्वारा पेसा नियमावली को मंत्रिपरिषद से मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दो दिनों से उन्हें राज्य के शहर, गांव और कस्बों से लोगों के उत्साह की जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी समुदाय ने जल, जंगल, जमीन और अपनी सभ्यता-संस्कृति की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर बने कई कानून आदिवासियों के हित में रहे, लेकिन कुछ कानून उनके अधिकारों के विरुद्ध भी थे। जिन्हें ठीक करने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि गांवों के मजबूत होने के बाद ही पूरा राज्य ताकतवर बन सकता है। मुख्यमंत्री ने झारखंड को बलिदानियों की धरती बताते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और अस्मिता की रक्षा के लिए अनेक वीर सपूतों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। अलग झारखंड राज्य की परिकल्पना भी लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद साकार हुई। 2000 में राज्य गठन के बाद झारखंड ने कई उतार-चढ़ाव देखे और आदिवासी व मूलवासी समुदायों के अधिकारों पर कई बार चोट पहुंची। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी है और निरंतर मिल रहा आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

- पेसा नियमावली को मंजूरी दिए जाने पर सभी ने जताया आभार
- पेसा कानून की जानकारी सभी को रखने की जरूरत पर बल
- प्राकृतिक संसाधनों और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए वीर सपूतों ने किया बलिदान

इनकी रही मौजूदगी

मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अजय तिर्की, सचिव रूपचंद केवट, मुन्ना मिंज, सदस्य प्रकाश अंश, अजय कच्छप, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के महासचिव जलेश्वर उरांव, केंद्रीय कोषाध्यक्ष बिरसा उरांव, केंद्रीय उपाध्यक्ष सोमे उरांव, अध्यक्ष जिला समिति सोमदेव उरांव, संरक्षक सुधु भगत और आदिवासी बालक-बालिका छात्रावास रांची के प्रतिनिधि मौजूद थे।

ग्राम सभाओं को निर्णय लेने का मिला अधिकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय स्वशासन, सम्मान और सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी दिशा में पेसा कानून को मंजूरी दी गई है। पेसा कानून के लागू होने से अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम सभाओं को निर्णय लेने के व्यापक अधिकार मिलेंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र और स्वशासन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह कानून आने वाले समय में समाज और राज्य के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेसा कानून सहित अन्य नियमों और नीतियों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने हाल ही में लगभग 10 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी हैं और आगे भी रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। कुछ तत्व ग्रामीणों को गुमराह करने का प्रयास करते हैं, इसलिए जागरूकता बेहद जरूरी है।

आज से शुरू होगा झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू का दो दिवसीय दौरा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कांग्रेस प्रभारी के। राजू का झारखंड दौरा 27 से 28 दिसंबर तक का होगा। वे 27 दिसंबर को शाम 6:45 बजे इंडिगो दिल्ली से रांची के लिए प्रस्थान करेंगे रात 8:30 बजे बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पहुंचेंगे। रांची आगमन के पश्चात उनका रात्रि विश्राम राज्य अतिथि गृह, रांची में होगा। 28 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे के। राजू जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, रांची मंग आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 12:30 बजे कांके प्रखंड अंतर्गत सुंदर नगर, भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा के निकट, सुखरहुट्टू और जयपुर ग्राम पंचायतों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कांग्रेस ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाग लेंगे। अपराह्न 3:00 बजे वे नामकुम प्रखंड के डमाइल में हरदाग एवं डुंगरी ग्राम पंचायतों द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम पांच बजे 5:00 बजे रांची एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे और रात 8:00 बजे इंडिगो से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। रात 9:45 बजे राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, दिल्ली पहुंचेंगे।

रांची में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 47 प्रतिशत की वृद्धि : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को लेकर चिंता जताई है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि एससीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में केवल 10 महीनों (जनवरी से अक्टूबर) में ही झारखंड में महिलाओं के खिलाफ 4294 मामले दर्ज हो चुके हैं, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 4147 थी। प्रतिदिन औसतन पांच महिलाओं को दुष्कर्म और अपहरण का शिकार होना पड़ रहा है। सबसे हैरान कर देने वाली स्थिति राजधानी रांची की है। अकेले रांची में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में पिछले वर्ष की तुलना में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि रांची में राज्य के अन्य शहरों की तुलना में अधिक पुलिस बल और सुरक्षा संसाधन उपलब्ध हैं, फिर भी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। अपराधियों में कानून का डर समाप्त हो चुका है और महिलाएं सार्वजनिक स्थलों, कार्यस्थलों और यहां तक कि अपने घरों में भी असुरक्षित महसूस कर रही हैं। पुलिस-प्रशासन अपराध रोकने के बजाय वसूली में व्यस्त है। आम जनता, विशेषकर महिलाएं, न्याय और सुरक्षा के लिए भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकार से कहा है कि पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग में होने वाले लेन देन की प्रवृति पर रोक लगाई जाए। थानों को वसूली का टारगेट देना बंद किया जाए। तभी महिलाओं के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल में मना वार्षिकोत्सव

RANCHI : महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल गोसाईडीह (बुंडू) में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव 'सृजन' का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। जिसमें साहिबजादे वीर फतेह सिंह और जोरावर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथियों में आर्य ज्ञान प्रचार समिति के अध्यक्ष एसएल गुप्ता, सुशीला गुप्ता सहित कई शिक्षाविद व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत और नाटक के माध्यम से देशभक्ति व सांस्कृतिक विरासत का सुंदर प्रदर्शन किया।

एक्शन नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत संचालकों पर 25 हजार का जुर्माना

बिना अनुमति लगाए गए बैनर-पोस्टर पर चला निगम का डंडा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति के अवैध रूप से बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स लगाए जा रहे हैं। ऐसे में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बाजार शाखा की टीम के सदस्यों ने इसे लेकर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की। अभियान के क्रम में अवैध रूप से दीवारों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए बैनर-पोस्टर-फ्लैक्स को हटाया गया। इतना ही नहीं संचालकों पर फाइन भी लगाया गया। झारखंड नगरपालिका अधिनियम-2011 की धारा 600 के तहत 25,000 प्रति संस्थान पर जुर्माना लगाया है। झारखंड नगर पालिका अधिनियम के तहत नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी की अनुमति के बिना विज्ञापन लगाने पर रोक है। कोई भी व्यक्ति नगर निगम क्षेत्र में किसी भी भूमि, भवन, दीवार, होर्डिंग, फ्रेम, खंभा, कियोस्क, संरचना, वाहन, नियोन साइन या स्काई साइन पर या उसके ऊपर, किसी भी प्रकार का कोई विज्ञापन स्थापित, प्रदर्शित नहीं कर सकता है। न ही किसी सार्वजनिक सड़क या सार्वजनिक स्थान से दिखाई देने वाले किसी भी तरीके से कोई विज्ञापन सार्वजनिक दृष्टि में प्रदर्शित करेगा, जब तक कि नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी की लिखित अनुमति प्राप्त न हो।

बाजार शाखा की टीम के सदस्यों ने विशेष अभियान चलाकर की कार्रवाई

इन पर लगा जुर्माना

कचहरी रोड पर जीवा स्वीपर, गोविंदा स्वीपर, रघुवीर स्वीपर, विशाल स्वीपर, अजय स्वीपर, दीपक स्वीपर, भोला स्वीपर के अलावा द ब्लैकबोर्ड, टीवीएस शोरूम के ऊपर, द्वितीय तल, डांगरा टोली चौक, पुरुलिया रोड पर जुर्माना लगाया गया।

अतिक्रमण के विरुद्ध चला अभियान

शहर को अतिक्रमण-मुक्त, जाम-मुक्त और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से रांची नगर निगम द्वारा निरंतर विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को इनफोर्समेंट टीम नेमौलाना आजाद चौक से कांटाटोली चौक तक सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान के दौरान लगभग 20 अस्थायी संरचनाओं को हटाया गया। साथ ही बांस-बल्ली, बेंच व अन्य अवैध रूप से रखे गए सामान को जब्त किया गया। अतिक्रमणकारियों को भविष्य में पुनः उक्त स्थल पर दुकान लगाने अथवा किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

NEWS BOX

अटल स्मृति दिवस पर 29 को होगा कार्यक्रम का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तमाड़ मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी ने की। यह बैठक अटल स्मृति (सुशासन) दिवस के आयोजन को लेकर की गई। बताया गया कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार 25 से 31 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे तमाड़ के उपेन साहू सभागार में अटल स्मृति दिवस कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रदेश व जिला स्तर के वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल होंगे। बैठक में लक्ष्मण सिंह मुंडा, रीता मुंडा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ निकाली जनाक्रोश रैली

PHOTON NEWS RANCHI : बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में शुक्रवार को बजरंग दल द्वारा जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। यह रैली संध्या 4 बजे तुपुदाना चौक से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्रों में निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। जयकारों और नारों के बीच प्रदर्शनकारियों ने हिंदू समाज की पीड़ा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने और मानवाधिकारों की रक्षा की मांग की। बजरंग दल, रांची विभाग के संयोजक अंकित सिंह और बिरसा नगर के सह संयोजक अभय कुमार ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य जनमानस को जागरूक करना और समाज के सभी वर्गों को एकजुट करना है। उन्होंने आह्वान किया कि यह केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा का भी मुद्दा है। रैली के दौरान नागरिकों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया।

सनातन एकता मंच की केंद्रीय कमेटी के सदस्यों ने की बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को सनातन एकता मंच केंद्रीय कमेटी की बैठक पंचमुखी हनुमान मंदिर नामकुम में हुई। इसकी अध्यक्षता मंच के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष रोहित सनातनी ने की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम सनातनियों व हिंदू समाज पर आए दिन प्रहार हो रहा है। हिंदू बहन-बेटियों को लव जिहाद में फंसाकर उनका धर्म बदला जा रहा है। भारत में हिंदू समाज डर कर जी रहा है। हिंदुओं को मारा जा रहा है। लोग कैंडल मार्च निकाल देते है पर कोई कुछ करता नहीं। इसलिए संगठन के माध्यम से हिंदू समाज को जगाने का कार्य कर रहा हूं। आपसब हिंदू समाज को संगठित करने में सहयोग दे। मौके पर पुजारी सुबोध पाण्डेय बाबा, अजय कुमार, विराट सिंह, सुशांत कुमार, राजू शर्मा, चुलबुल पांडेय, राकेश, विकाश, दिलीप, सुजीत, राजीव, मुकेश, सौरभ, नागेश, अनिकेत, मधुसूधन ने सनातन एकता मंच की सदस्यता ग्रहण की।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए दो प्रचार वाहन रवाना

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार को तेज करने के लिए दो प्रचार वाहनों को रवाना किया गया। अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित कार्यालय परिसर से इन वाहनों को रवाना किया। दोनों प्रचार वाहन जिला और गांव स्तर पर आम लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने का कार्य करेंगे। बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम राज्य के सभी 24 जिलों में संचालित किया जा रहा है, ताकि मानसिक रोगों को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को समय पर उपचार के लिए प्रेरित किया जा सके। इनमें से एक प्रचार वाहन केंद्रीय मानसिक चिकित्सालय के सहयोग से गांवों में लगाए जाने वाले मानसिक स्वास्थ्य शिविरों का प्रचार करेगा। वहीं दूसरा वाहन संथाल परगना क्षेत्र के सभी जिलों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से संबंधित जानकारी का प्रसार करेगा।

तुपुदाना में लोको पायलट की कुएं में डूबकर मौत

RANCHI : तुपुदाना ओपी क्षेत्र के बगीचा टोली में गुरुवार की रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। रांची रेलवे स्टेशन में पदस्थापित लोको पायलट संतोष विजय टोप्पो की मृत्यु घर के आंगन में बने कुएं में डूबखर हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, क्रिसमस के अवसर पर मोहल्ले में नाच-गान का कार्यक्रम चल रहा था। देर रात संतोष विजय टोप्पो अपने घर से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले। अंधेरे में वे आंगन स्थित कुएं में गिर गए। रातभर किसी को घटना की जानकारी नहीं मिली। सुबह जब परिजनों ने देखा कि संतोष विजय अपने कमरे में नहीं हैं, तो उन्होंने आसपास खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पड़ोसी के घर पानी भरने के क्रम में कुएं में एक शव दिखाई दिया। सूचना पर तुपुदाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। पहचान संतोष विजय टोप्पो के रूप में हुई।

समाचार सार

बिष्टुपुर में कल होगा विश्वशांति वैदिक महायज्ञ

JAMSHEDPUR : वर्ष के अंतिम रविवार को प्रातः 10.30 बजे से जुबिली रोड, बिष्टुपुर स्थित टाटा आश्रम में विश्वशांति वैदिक महायज्ञ होगा। परामर्शक नगीना सिंह, डॉ. डीपी शुक्ला, संयोजक बिजेंदर उपाध्याय व समन्वयक नीरज मिश्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि यज्ञ के उपरांत संत समाज द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र स्वर्वेद महामंदिर धाम, वाराणसी से प्रकाशित विहंगम योग वार्षिक कैलेंडर 2026 का भी वितरण किया गया। नीरज मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2026 में शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों के मध्य व्यापक रूप से विहंगम योग मेडिटेशन के महत्व एवं लाभों को पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पटमदा में मिक्स जेंडर विलेज क्रिकेट लीग 17-18 को

JAMSHEDPUR : खेल के माध्यम से समाज में बालक-बालिका में समानता लाने के संदेश पर आधारित मिक्स जेंडर विलेज क्रिकेट लीग का आयोजन 17-18 जनवरी को पटमदा में होगा। इसमें बोड़ाम-पटमदा के विभिन्न गांवों के बच्चों के बीच मुकाबला होगा। इसकी घोषणा से पहले शुक्रवार को पटमदा स्थित एस एस +2 स्कूल मैदान पर रिया एकादश और पूजा एकादश के बीच ट्वेंटी-20 फॉर्मेट में मिक्स जेंडर अभ्यास मैच खेला गया। इसमें पूजा एकादश ने 5 ओवर में 5 विकेट खोकर 50 रन बनाए। वहीं रिया एकादश 51 रनों पर सिमट गई। पूजा एकादश ने मिक्स जेंडर मुकाबला 32 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया।

सरयू ने 150 लाभुकों को सौंपा पेंशन स्वीकृति पत्र

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय से 150 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति पत्र सौपा। वृद्धा पेंशन के 80, विधवा सम्मान पेंशन के 40 और 50 से 59 वर्ष के 30 महिलाओं को जदयू विधायक ने पेंशन स्वीकृति पत्र दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकुल मिश्रा, नीरज सिंह, संतोष भगत, शेषनाथ पाठक, बीरेंद्र सिंह, सन्नी सिंह, आदित्य मुखर्जी आदि सक्रिय रहे।

डीसी ऑफिस के नाइटगार्ड धुर्वा सुंडी का निधन

JAMSHEDPUR : डीसी ऑफिस के अनुसेवी- सह- नाइट गार्ड धुर्वा सुंडी का शुक्रवार को रांची स्थित रिम्स में निधन हो गया। उन्हें मंगलवार को ब्रेन हैमरेज हुआ था। सुंडी के निधन पर जिला प्रशासन द्वारा समाहरणालय सभागार में श्रद्धांजलि सभा की गई। इस दौरान उपविकास आयुक्त, अपर उपायुक्त समेत जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर स्व. सुंडी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार को डुमरिया स्थित पैतृक आवास पहुंचा दिया गया। ज्ञात हो सुंडी करीब 25 वर्ष से डीसी ऑफिस में राष्ट्रध्वज फहराने और उतारने का काम करते थे। उनकी समयबद्धता के सभी कायल थे।

भाजपा ने मनाया वीर बाल दिवस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय चाईबासा स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। जिला अध्यक्ष संजय पांडे के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में जिला के सहप्रभारी कुलवंत सिंह बंटी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। कुलवंत सिंह बंटी ने कहा कि साहिबजादों की शौर्यगाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, भारत सरकार ने 26 दिसंबर 2022 को पहली बार 'वीर बाल दिवस' मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा 9 जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर की थी। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत और साहस को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर चंद्र मोहन तियू, राकेश पोद्दार, रंजन प्रसाद, रितेश कुमार, पिंटू, जय किशन बिरुली, राजश्री बानरा, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज प्रतिनिधि शामिल हुए।

साहिबजादों की याद में निकाली प्रभातफेरी

GHATSILA : वीर बाल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एसकेएम पब्लिक स्कूल दाहीगोड़ा, घाटशिला के बच्चों ने प्रभातफेरी निकाली। कार्यक्रम में शामिल भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष लखन मार्डी ने कहा कि यह दिन केवल शोक का नहीं, बल्कि गर्व और प्रेरणा का दिन है। 26 दिसंबर 1705 को मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर सरहिंद के नवाब वजीर खान ने सिखों के दसवें गुरु गुरुगोविंद सिंह के साहिबजादे जोरावर सिंह (9) और साहिबजादे फतेह सिंह (6) को जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। इन वीर बालकों ने धर्म परिवर्तन की बजाय अपनी जान देना स्वीकार किया था। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि वीरता उम्र की मोहताज नहीं होती। इस मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री सत्या तिवारी, जिला उपाध्यक्ष हेमंत नारायण देव, मंडल महामंत्री सुखेन दास, मंटू सिंह, सुबोध सिंह, विश्वनाथ मुखर्जी, अजय चटर्जी आदि भी उपस्थित थे।

बाजार समिति के सदस्य को दी गई श्रद्धांजलि

GHATSILA : मऊभंडार में बाजार समिति के सदस्य नूर मोहम्मद उर्फ लुच्चा के निधन पर शुक्रवार को बाजार समिति परिसर में शोकसभा हुई। इसमें बाजार समिति के पदाधिकारी, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा स्थानीय लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बाजार समिति के अध्यक्ष कॉल्टू चक्रवर्ती ने नूर मोहम्मद के सामाजिक जीवन, उनके सरल स्वभाव, ईमानदारी और बाजार समिति के प्रति समर्पण को याद किया।

बाइक व स्कूटी में आमने-सामने हुई टक्कर, दो युवकों की मौत

चाईबासा-सेरेंगसिया रोड पर सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के पास हुई दुर्घटना

अस्पताल पहुंचे मृतकों के परिजन ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में सड़क दुर्घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार की शाम चाईबासा-सेरेंगसिया मुख्य सड़क पर सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के पास बाइक और स्कूटी में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में से एक की पहचान शिवा बिरुली (20) के रूप में हुई है, जो बिंगतोपांग गांव का निवासी है। पुलिस द्वारा दूसरे युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उसकी उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सड़क पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं न हों।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए शनिवार को चाईबासा सदर अस्पताल भेजेगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम को एनएच-18 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। यह घटना ओम स्टोर के पास हुई। मृतक की पहचान राजलाबांध निवासी चंदन माईती के रूप में की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित भाग गया। हादसे की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शुक्रवार को सुबह में शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला भेजा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि एनएच 18 पर लगातार हो रहे हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए, अन्यथा स्थानीय लोग जोरदार आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

कार ने दो बाइक में मारी जोरदार टक्कर, 5 घायल

CHAIBASA : सोनुआ- चक्रधरपुर मुख्य सड़क पर शुक्रवार को तेज रफ्तार कार ने दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी, जिससे महिला सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना बैद्यमारा फाटक के समीप हुई। घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार अनियंत्रित हो गई थी। इसकी चपेट में आकर मेला से लौट रहे बाइक सवार आ गए। घायलों में निश्चितपुर निवासी बुधराम लोहार उर्फ गोरा (30), जितेन महतो (35) और भुवनेश्वर महतो (38) हैं। ये सभी लोग बूढ़ीगोड़ा से मेला देखकर घर लौट रहे थे। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीन घायलों को सोनुआ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जबकि दो घायलों को चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जितेन महतो और भुवनेश्वर महतो को बेहतर इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना की सूचना पर सोनुवा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई।

बीएड-एमएड सत्र 2025-27 में स्पॉट एडमिशन शुरू

JAMSHEDPUR : झारखंड में बीएड, एमएड और बीपीएड कोर्स के सत्र 2025-27 के लिए काउंसिलिंग के बाद भी बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह गई हैं। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद के अनुसार, राज्य में कुल 13,600 बीएड सीटों में से 2,947, 700 एमएड सीटों में से 507 और 350 बीपीएड सीटों में से 199 सीटें खाली हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश पर रिक्त सीटों को भरने के लिए स्पॉट एडमिशन की प्रक्रिया शुरू की गई है। वेटिंग लिस्ट (डीम्ड) अभ्यर्थी मेरिट और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए इच्छुक कॉलेजों में सीधे आवेदन कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को 7 दिनों में आवेदन करना होगा, जिसके बाद कॉलेज मेरिट के आधार पर नामांकन करेंगे। कोल्हान विश्वविद्यालय ने प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी के लिए 16 कॉलेजों में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि नियुक्त किए हैं।

15 लाख की दो योजनाओं का सरयू राय ने किया उद्घाटन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को 15 लाख की दो योजनाओं का उद्घाटन किया। विधायक निधि से उलीडीह के बिरसा रोड स्थित सामुदायिक भवन के पास डीप बोरिंग एवं सौंदर्यीकरण और मानगो के संकोसाई रोड नं.-5, जयगुरु नगर में सड़क का निर्माण शामिल है। इस मौके पर सहायक अभियंता अमित आनंद, कनीय अभियंता आनंद सुबोध कुमार, भाजपा मानगो मंडल के अध्यक्ष बिनोद राय, भाजपा उलीडीह मंडल के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह सिसोदिया, विपिन रंजन, अशोक बिरूआ, हरिश तामसोय, शांति लोहार आदि भी मौजूद थे।

वंचितों का अधिकार भी छीन रही मोदी सरकार : कमलेश

बिष्टुपुर में पत्रकारों को संबोधित करते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश

JAMSHEDPUR : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार सिर्फ मनरेगा का नाम ही नहीं बदल रही है, बल्कि गरीबों-वंचितों का अधिकार भी छीन रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विद्वेष के साथ कार्य कर रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना को बदलकर अपना कुचक्र चल रही है। कांग्रेस महात्मा गांधी नरेगा को वापस लाने की मांग कर रही है। महात्मा गांधी नरेगा को निरस्त करके और विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम थोपकर भाजपा सरकार ने ग्रामीण आजीविकाओं पर करारा प्रहार किया है। यह नया कानून लाखों ग्रामीण श्रमिकों, विशेषकर दलितों, आदिवासियों और महिलाओं के कठिनाइयों से जीते गए अधिकारों को कमजोर करता है। आपके अधिकार इस तरह छीन लेगा। महात्मा गांधी नरेगा 100 दिनों का काम कभी भी और कहीं भी ग्रामीण भारत में मांग पर गारंटी देता था। अब 125 दिन के दावे के बावजूद, काम आपूर्ति आधारित है जिसमें बजट की सीमा है।

टाटा मोटर्स के अधिकारी के घर से लाखों की चोरी

JAMSHEDPUR : टेल्को कॉलोनी निवासी टाटा मोटर्स के अधिकारी भानु प्रताप सिंह के घर से लाखों रुपये के सामान व नकद की चोरी हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रोड नंबर-31 स्थित के-3 क्वार्टर बंद था। अधिकारी परिवार सहित कहीं बाहर गए हुए हैं। जानकारी के अनुसार, घर से करीब 25 लाख रुपये नकद सहित अन्य सामानों की चोरी हुई है। पड़ोसियों को चोरी का पता शुक्रवार को सुबह में चला, जब उन्होंने क्वार्टर का ताला टूटा हुआ देखा। पड़ोसियों ने टेल्को थाना को इसकी सूचना दी।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी की जांच कर रही है, ताकि चोरी की घटना का सुराग मिल सके। आश्चर्य इस बात पर है कि टेल्को कॉलोनी में पुलिस के साथ-साथ टाटा मोटर्स के सुरक्षाकर्मी भी गश्त लगाते रहते हैं।

एक्सएलआरआई ने किया 57 कामगारों को प्रशिक्षित

प्रशिक्षुओं के साथ एक्सएलआरआई के फैकल्टी व पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई- जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के फादर मैकग्राथ स्किल डेवलपमेंट सेंटर (एफएम-एसडीसी) ने शुक्रवार को पांचवें बैच का सर्टिफिकेशन समारोह कैंपस में आयोजित किया। इस बैच के 57 प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इसमें दो राज्यों के ग्रामीण और वंचित समुदायों के युवा थे। इस बैच में कंप्यूटर स्किल्स एवं डाटा एंट्री कोर्स के 43, गारमेंट एवं फैशन डिजाइनिंग के 6 और प्लंबिंग एवं इलेक्ट्रिकल वायरिंग इंटर्नशिप के 8 प्रतिभागी शामिल थे। गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण के बाद ये स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बन सकेंगे। सर्टिफिकेट वितरण समारोह में सेंटर के कन्वेनर फादर डोनाल्ड डिसिल्वा एसजे ने कहा कि जेवियर कम्यूनिटी कॉलेज (एक्ससीसी) ने अब तक 198 छात्रों को प्रशिक्षित किया है। एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर सेबेस्टियन जॉर्ज एसजे ने कहा कि आज रोजगार डिग्री से ज्यादा स्किल पर निर्भर है।

दुकान का ताला काटकर नकद व सामान की चोरी

चोरी की जानकारी देता भुक्तभोगी

JAMSHEDPUR : मानगो डिमना मेन रोड स्थित चावल बाजार में गुरुवार रात चोरों ने एक राशन दुकान को निशाना बनाते हुए ताला और कुंडी काटकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान से नकद रुपये और घरेलू उपयोग के सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चावल बाजार के प्रवेश पथ पर स्थित विकास गुप्ता की राशन दुकान में देर रात चोरों ने कटर की मदद से मुख्य दरवाजे का ताला और कुंडी काट दी। शुक्रवार सुबह जब विकास गुप्ता अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि दरवाजा टूटा हुआ है, दुकान के अंदर रखा सारा सामान बिखरा पड़ा है और गल्ले में रखे रुपये गायब हैं। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि वे रोज की तरह रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। महाजन को देने के लिए उन्होंने गल्ले में करीब 20 हजार रुपये रखे थे, जिसे चोर लेकर फरार हो गए। इसके अलावा लगभग 10 हजार रुपये मूल्य का घरेलू उपयोगी सामान भी चोरी कर लिया गया।

धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ का 17 को मनेगा स्थापना दिवस

JAMSHEDPUR : धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ का 13वां स्थापना दिवस 17 जनवरी को मनाया जाएगा। यह निर्णय शुक्रवार को दोपहर 1 बजे हुई वेद अध्ययन अनुशीलन केंद्र में बैठक के दौरान लिया गया। स्वस्तिवाचन व मंगल पाठ के पश्चात आचार्यों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं हाल के दिनों में हुई हिंदू युवक की हत्या पर दुख व्यक्त किया। दिवंगत हिंदू युवक को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। महासंघ के अध्यक्ष पं. बिपीन कुमार झा व सचिव उमेश कुमार तिवारी ने केंद्र सरकार से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा करने की मांग रखी। बैठक में दिलीप पांडेय, मुन्ना पांडेय, आनंद पांडेय, मोहन शास्त्री, एनके पांडेय, राजकुमार मिश्र, शिवशक्ति झा, परशुराम पांडेय, चंद्रकांत झा, कुमुद झा, हर्ष पांडेय आदि शहर के आचार्य उपस्थित रहे।

डिमना चौक से पत्थलगड़ी होगी शिफ्ट प्रतिमा सौंदर्यीकरण पर बनी सहमति

अंचल अधिकारी के कार्यालय में वार्ता करते स्मारक समिति के सदस्य

PHOTON NEWS JSR : मानगो के बाबा तिलका माझी (डिमना) चौक स्थित पत्थलगड़ी को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने और भारत के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका माझी की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण को लेकर शुक्रवार को अंचल कार्यालय मानगो, डिमना में त्रिपक्षीय वार्ता हुई। बैठक की अध्यक्षता अंचल अधिकारी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने की। इस वार्ता में बाबा तिलका माझी स्मारक समिति के सचिव मदन मोहन सोरेन, अध्यक्ष रमेश मुर्मू, दीपक रंजीत सहित समिति के अन्य सदस्य तथा एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रतिनिधि कृष्ण मोहन मिश्रा और इकबाल मोहम्मद मौजूद थे। पूर्व में हुई बैठक के बाद किए गए कार्यों से स्मारक समिति संतुष्ट नहीं थी, जिसके चलते अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। शुक्रवार को हुई बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बाबा तिलका माझी चौक के आसपास साफ-सफाई कराई जाएगी। इसके साथ ही चौक में बाबा तिलका मांझी की आदमकद प्रतिमा स्थापित कर उसका समुचित सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मदन मोहन सोरेन ने कहा कि संवादहीनता के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था। उन्होंने समिति की ओर से आश्वासन दिया कि पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पत्थरगड़ी को जल्द ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा, ताकि फ्लाईओवर निर्माण कार्य सुचारू रूप से चल सके। इस दौरान फ्लाईओवर निर्माण के दौरान एनएच पर डिमना चौक से डेंटल कॉलेज तक उड़ रही अत्यधिक धूल से परेशानी का मुद्दा भी उठा।

क्राइम शहर में बढ़ी चोरी की वारदात, बंद घरों से गहने पार कर रहे चोर

सोने की कीमतों में उछाल के बाद जेवरात पर गड़ी चोरों की निगाहें

MUJTABA RIZVI @ JSR : जब से सोने की कीमतों में उछाल आया है, चोरों की निगाहें जेवरात पर गड़ गई हैं। चोर बंद घरों में अलमारी के लॉकर तक को निशाना बना रहे हैं। लौहनगरी में चोरों के हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि दिनदहाड़े चोरी हो रही है और पुलिस रोक नहीं पा रही है। हालात यह है कि बैंक के लॉकर तक सुरक्षित नहीं हैं। यहां रखा सोना भी चोरों के हत्थे चढ़ जाता है।

घरों में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। आए दिन चोरी हो रही है। शायद ही कोई दिन हो जब ऐसी कोई घटना नहीं हो। इन घटनाओं की वजह से लोग दहशत में हैं। लोगों की गाढ़ी-कमाई चोर पार कर रहे हैं। पुलिस ने चोरी की कुछ बड़ी वारदातों का खुलासा कर लिया है। मगर, वह घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। कई ऐसी घटनाएं भी हैं जिनका अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। इससे लोगों में नाराजगी है। चोरों के अलावा, उचक्के भी सक्रिय हैं। हालांकि, पुलिस चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में जुट जाती है। सीसीटीवी कैमरों को खंगाल कर घटना का खुलासा कर दिया जाता है। मगर, कई घटनाएं ऐसी हैं जिनमें सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल पाता।

तकनीकी इनपुट नहीं मिल पाने की वजह से इन घटनाओं का पदार्फाश नहीं हो पाता। इससे चोरों का मन बढ़ जाता है और वह अगली वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग कर लेते हैं। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष का कहना है कि पुलिस पूरी तरह चाक-चौबंद है। अधिकतर घटनाओं का फौरन खुलासा कर दिया जाता है। पुलिस ने घटना को अंजाम देने से पहले भी बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

हाल ही में हुई चोरी की बड़ी घटनाएं

- 23 दिसंबर की रात चोरों ने गोविंदपुर के पटेल नगर में कृष्णा प्रसाद के घर को निशाना बनाया। चोर यहां से लगभग तीन लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात व नकदी पार कर ले गए हैं।
- 16 दिसंबर की रात चोरों ने बर्मामाइंस की दीपू बस्ती की रहने वाली राखी पात्रो के घर को निशाना बनाया था। यहां से चोर मोबाइल के साथ ही 12 हजार रुपये नकद पार कर ले गए थे। अगले ही रात 17 दिसंबर को चोरों ने टाटा स्टील कर्मी रामचंद्र दास के क्वार्टर को निशाना बनाया। यहां से चोर लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पार कर ले गए। पुलिस अब तक इस घटना का खुलासा नहीं कर पाई है।
- 06 दिसंबर को चोरों ने कदमा के बीएच एरिया में दिनदहाड़े बासू के घर को निशाना बनाया। यहां से चोरों ने तकरीबन 15 लाख रुपये कीमत के गहने पार कर दिए थे। बासू घर में ताला बंद कर अपने बड़े पापा से मिलने गए थे। वहां से घर लौटे तो देखा कि ताला टूटा हुआ है और चोरों ने जेवरात पार कर दिए हैं।
- कदमा में ही चोरों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि उन्होंने फार्म एरिया स्थित श्री श्री महावीर मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। हालांकि, पुलिस ने इस घटना का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।
- 10 सितंबर को सोनारी में चोरों ने सोनिया वर्मा के घर पर धावा बोल कर यहां से लगभग 15 लाख रुपये कीमत के गहने पार कर दिए थे। यहां चोरी की घटना तब हुई जब सोनिया किसी काम से छत्तीसगढ़ गई थीं।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अतः बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यतः 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूँगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्ष पर कोई जीवित कीट दिखइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यतः भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थैलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग – यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण – भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार – बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल – यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण – मुख्यतः मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यतः व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार – मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग – बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण – फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार – बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस – रेसीयनेस के लक्षण मुख्यतः वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण – समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार – रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

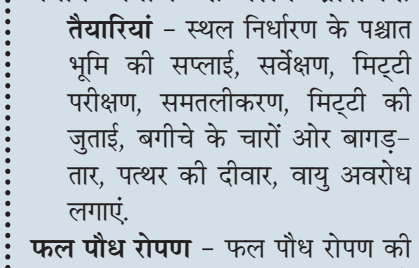

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अतः उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण – फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है – **वर्गाकार पद्धति** – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है।

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता- यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से '100 मीटर ऊंचाई' जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि 'नियंत्रित' शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

संपादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए संदेश भेजने की कोशिश हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में निवेश संबंधी अनेक प्रमुख शर्तों को आसान करने का निर्णय लिया गया है। आशा की गई है कि इससे बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश आएगा, जिससे कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार हालिया गिरावट से उपजी समस्या से राहत मिलेगी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? अगर पिछले अनुभव पर ध्यान दें, तो इसकी संभावना कम लगती है। 2021 में केंद्र ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ा कर 49 से 74 फीसदी की थी। मगर उससे फैसले से विदेशी बीमा कंपनियां भारत की ओर आकर्षित नहीं हुईं। ना ही भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में उनके निवेश में कोई ठोस बढ़ोतरी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जब से बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए खोला गया, लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का बाहरी निवेश आया है। लेकिन यह अधिकांशतः भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में आया। मुमकिन है, ताजा फैसले से वैसे निवेश में कुछ बढ़ोतरी हो। मगर भारतीय बीमा बाजार के मूल ढांचे में किसी गुणात्मक परिवर्तन की संभावना कम ही है। इसका कारण इस बाजार का सीमित आकार है। भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों को जीवन बीमा सुरक्षा हासिल है। सामान्य बीमा की पैठ तो महज एक फीसदी आबादी तक है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम ही है। बाकी लोगों की जेब किसी तरह की बीमा पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। जब तक यह सूरत नहीं बदलती, बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी? यह स्थिति कैसे बदले, इसकी कोई दृष्टि सरकार ने सामने नहीं रखी है।

चिंतन-मनन

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए।

खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक गुरू गोबिंद सिंह

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक ही रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी।

'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा'' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को ह्यपंज प्यारेह्ल चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

पूरी दुनिया गांधी की कायल, पर हम नाम मिटाने में मशगूल

दिलीप कुमार पाठक

मनरेगा से गांधी जी के नाम को हटाना केवल और केवल घटिया राजनीति का नमूना है, ये देश दुनिया के लिए हैरान करने वाला है ' क्या गांधी का नाम इतना भारी था कि उसे हटाना पड़ा? आज संपूर्ण विश्व न केवल महात्मा गांधी को नमन करता है, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन के आधार स्तंभ के रूप में स्वीकार करता है। वे मात्र एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि एक शाश्वत वैश्विक आइकन हैं, जिनके विचार समय की सीमाओं को लांघकर हर युग में प्रासंगिक बने हुए हैं।

विश्व के महानतम विभूतियों की श्रेणी में गांधी जी का नाम सर्वोच्च सम्मान के साथ अंकित है। उनके विचार आज भी मानवता के लिए एक मशाल की तरह हैं, जो घृणा और हिंसा के अंधकार में शांति, सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गांधी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विश्व-पथप्रदर्शक हैं। अपनी अडिग विचारधारा और नैतिक बल के कारण वे सीमाओं से परे, विश्व के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी विरासत आज भी एक बेहतर और न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण की प्रेरणा देती है। गांधी जी कितने महान हैं इस बात से समझा जा सकता है कि जब भारत में जी - 20 समिट हुआ तब दुनिया के शीर्ष नेताओं ने नंगे पैर जाकर गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी, आज भी जब दुनिया का कोई शीर्षस्थ इंसान आता है तो वो सबसे पहले गांधी जी को प्रणाम करने आता है, क्योंकि हमारे देश में गांधी जी से ज़्यादा सुन्दर, विराट, अतुलनीय विरासत कुछ और नहीं है ' महात्मा गांधी की वैचारिक आभा आज संपूर्ण विश्व में दैदीप्यमान है। वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि वे आधुनिक इतिहास की उन विरलतम हस्तियों में शुमार हैं जिनकी स्मृतियों को विदेशों ने सर्वाधिक सम्मान के साथ संजोया है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अनुसार, विश्व के कम से कम 102 राष्ट्रों में बापू की मूर्तियां और स्मारक श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इनमें से 82 देशों में उनकी भव्य पूर्ण आकार की प्रतिमाएं राष्ट्रपिता के कद की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ती हैं। अमेरिका वह राष्ट्र है जहाँ भारत के बाहर गांधी जी के सर्वाधिक स्मारक स्थित हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड और अर्जेंटीना जैसे शक्तिशाली देशों के प्रमुख नगरों में उनकी प्रतिमाएं शांति और सद्भाव का संदेश दे रही हैं। गांधी जी का सम्मान केवल मूर्तियों तक सीमित नहीं है; विश्व के 150 के करीब देशों ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किए हैं और अनगिनत सड़कों व शैक्षणिक संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और जोहान्सबर्ग की गलियां आज भी उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों की गवाह हैं। आज समूचा विश्व बापू के जीवन दर्शन का अध्ययन कर रहा है। यह भारतवर्ष का परम सौभाग्य और गौरव है कि ऐसे महामानव हमारे पूर्वज रहे हैं, जिन्होंने न केवल भारत को स्वतंत्र कराया, बल्कि पूरी मानवता को जीने की एक नवीन दृष्टि प्रदान की।

पूरी दुनिया जब हमारे पूर्वज गांधी जी को पूज रही है यहां तक कि यूरोप, अमेरिका में गांधी जी को ईसा मसीह की तरह माना जाता है, लेकिन हम कितने कृतघ्न हैं कि हम आज गांधी जी के नाम को योजनाओं से हटा रहे हैं! दुनिया जब इस बात को जानेगी तो हम पर हँसेगी कि इससे कृतघ्न क्या कोई समाज हो सकता है, जिसकी रोज वंदना होना चाहिए, उनके प्रति हम असम्मान जाहिर करें? मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि नाम बदलने से नहीं, गांधी के सिद्धांतों पर चलने से होगा विकसित भारत।

ये बात मैं इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मोदी सरकार ने मनरेगा यानि गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटा दिया है, जो सुनकर ही मन कचोट कर रह गया ' नए अधिनियम (VB-G RAM G Act, 2025) के तहत योजना के नाम से महात्मा गांधी हटा दिया गया है। पहले इसकी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य की फंडिंग का अनुपात बदल गया है। पहले केंद्र सरकार 90% खर्च उठाती थी, लेकिन अब यह 60% (केंद्र) और 40% (राज्य) कर दिया गया है। अगर राज्यों के पास बजट न हुआ और राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से इंकार किया तो सरकार के पास इसका कोई समाधान है? लगता है जैसे मोदी सरकार कोई भी काम सनसनी फैलाने के लिए ही कर रही है क्योंकि निर्णयों में कोई दूरदर्शिता नहीं है, चूंकि कई बार मोदी सरकार ने आलोचनाओं या खुद भी मूल्यांकन के बाद कई बार अपने नियमो, कानूनो को खुद ही बदला है ' परंतु इस बार देश के महान राष्ट्रपिता का नाम देश की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना से उनका नाम हटाना घटिया राजनीतिक कुचक्र को दशार्ता है '

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Replacing MGNREGA with G RAM G masks economic failure

In 2011-12, roughly 100 million rural Indians sought work under the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act, which increased to 130 million last year. Expenditure on MGNREGA has increased 2.5 times in the last decade. Contrary to belief, this expansion of the scheme is not something to be proud of. Success of MGNREGA implies a failure of India's economy. And this failure now has been disguised with a new tongue-twister of a name—Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission Gramin (VB G RAM G).MGNREGA is a unique, world-class, Nobel Prize-worthy welfare programme whose success lies in its minimal use. Paradoxically called 'employment guarantee', it is, in practice, an unemployment insurance scheme. An individual in utter despair with no means of income can demand work and toil a whole day for minimum wages, guaranteed as a legal right. It is an elegantly designed, demand-based social safety insurance for the truly desperate—not a productive asset-creation scheme—that protected hundreds of millions of poor Indians during Covid.If the nation's economy was robust enough to generate an adequate number of well-paying jobs for unskilled labour, there would be minimal demand for MGNREGA. Only when the economy does not generate enough jobs for India's vast labour force, will an unemployment insurance-type programme see strong demand and growing expenditure.In 2015, Prime Minister Narendra Modi ridiculed the programme. Much to his chagrin, a decade of abysmal economic performance has resulted in a rapid expansion of MGNREGA. The fact that 60 million households demanded and received work under the scheme last year—the highest in a non-Covid year—is a reflection of the grave unemployment situation. The rural poor's demand for work and, consequently, the greater need for MGNREGA funds remain unabated.

If the PM wanted to fulfil his promise to abolish MGNREGA, it could have been done only by generating enough jobs. Unable to do so over a decade and caught in a quandary, the Modi government has finally decided to palm this vexatious issue off to the states through the new G RAM G legislation that will replace MGNREGA. It is a ploy to forcefully reduce the demand for MGNREGA, since the Modi government has failed to do it naturally. G RAM G achieves this by forcing most states to bear 40 percent of the wage expenditure when they bore none under MGNREGA. This is a huge fiscal burden on the states.If, in a particular year, the economy is so bad that demand for work soars across the country, the higher financial burden will be shared by the states. On paper, G RAM G continues to guarantee the right to employment. But most states don't have the money to fulfil this guarantee. They will be forced to artificially reduce the demand for work to avoid paying for it, or they default on their obligation to provide work when demanded, in which case it is no longer a guaranteed safety net. So the Union government gets away with reduced MGNREGA demand and transferring the blame to the states.Managing the economy is primarily the responsibility of the Union government. By corollary, mismanagement is also its sole burden. Economic shortcomings such as jobless growth result in the need for greater MGNREGA funds. Then, how can states be responsible for the financial burden? States have little or no control, but are expected to pay for it.It is wrong to argue that G RAM G is like other centrally-sponsored schemes such as Swachh Bharat Mission, which states choose to implement and receive partial funds for. This is a legal guarantee of employment, unlike other optional schemes.

Dangers of a weak n-liability regime

Promotion and regulation should not be under the same roof

THE Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India (SHANTI) Bill, 2025, passed in Parliament this month, has revived the longstanding debate on three key issues concerning nuclear power development — regulation, civil liability in case of accidents and private sector participation in nuclear power generation. The new law replaces the Atomic Energy Act, 1962 and the Civil Liability for Nuclear Damage Act, 2010. The 1962 law provided for the development and use of atomic energy and the 2010 Act gave a framework for assigning liability and compensation in case of nuclear accidents.The context of the new Bill, as explained by the government, is the emergence of a new option — small modular reactors (SMRs) — for power generation and the need for private sector participation in achieving the ambitious goal of generating 100 GW of nuclear power by 2047.

Since the government has decided to open nuclear power generation to the private sector, both regulation and liability frameworks become paramount and the two are interlinked. The new law retains the status quo with regard to regulation. The Atomic Energy Regulatory Board (AERB) will function as in the past. In the formative years of atomic energy development in the 1960s, the Directorate of Radiation Protection (DRP) was established to enforce radiation safety in radiation facilities outside the Department of Atomic Energy (DAE).Vikram Sarabhai, who took over the atomic energy department after Bhabha, proposed an independent Atomic Energy Regulatory Authority (AERA), but he passed away before the idea could be implemented. His successor, Homi N Sethna, junked the AERA plan and decided to continue with the DRP. In 1983, Raja Ramanna gave the go-ahead for a regulatory body — the AERB — though not fully autonomous like similar bodies in other sectors. The 2025 law continues with this framework of the AERB.

It is clear that the atomic energy establishment does not favour the idea of an independent regulator. Yet, despite being under the purview of the DAE, the AERB in the past has issued uncomfortable regulatory restrictions on power plants and other establishments in cases of violations on several occasions, especially under A Gopalakrishna's chairmanship.Now that the private sector is being allowed in, we need a transparent, upright and technically sound regulatory system. Continuing with the status quo of the AERB, even in the garb of SHANTI, does not augur well. In the space sector too, where private sector entry has been permitted, the government has created an ambivalent system called In-SPACE instead of an autonomous regulatory system. The cardinal principle is that promotion and regulation should not be under the same roof.

Related to regulation is the liability for damage arising out of possible nuclear accidents. If the regulation is not sound, it creates room for accidents. A liability regime was introduced in the form of Civil Liability for Nuclear Damage Act, 2010 after the Indo-US nuclear deal in the hope that it would attract foreign participation in nuclear power generation. But foreign companies, including

suppliers of reactors, refrained from doing so, fearing the risks and liability of nuclear accidents despite the law capping their liability at a mere Rs 1,500 crore.

The international conventions governing liability are highly complex and national laws need to be aligned with them. Most conventions are based on the principle that the operator of a nuclear installation where a nuclear accident occurs is liable to compensate third parties. Here, nuclear installation refers to the nuclear reactor, but the accident may take place at a nuclear site where facilities other than the reactor may also be situated. Usually spent fuel or nuclear waste is stored in power plant premises. Then, there is the question of a safety zone around a plant and radiation affecting people and environment in areas extending to several kilometres.

Multiple factors determine liability and capping it at Rs 3,000 crore and linking it to the size of a nuclear plant, as done in the 2025 law, is absurd. For small reactors ranging from capacities of 150 MW to 750 MW, the liability will be as low as Rs 300 crore. For plants below 150 MW capacity, it will be a mere Rs 100 crore. This is clearly to placate nuclear suppliers who have been promoting SMRs as an alternative to large capacity plants that need huge capital and have long gestation periods. The industry has also been lobbying for de-risking SMRs through diluted liability framework for nuclear accidents. The graded liability system unveiled in the new law satisfies this demand.

The new law defines and fixes liability arising out of accidents at nuclear reactors (along with attached nuclear fuel cycles) but is silent on liability due to accidents or radiation leaks that may happen at what is defined as 'nuclear facilities.' A nuclear facility may house a range of activities — handling and storage of fissile materials, spent fuel storage facility, storage of waste from the use of source or fissile material, etc. Such facilities may be located in the same premises as a nuclear power reactor. Who will be liable to pay for damages if something happens in such premises? 'Nuclear damage' has been given a sweeping explanation in the law — human loss of life and injury, loss of property, economic loss and costs of restoration of environment damaged due to a nuclear accident. The liability of all this is capped between Rs 100 crore and Rs 3,000 crore.In comparison, British Petroleum ended up paying $20 billion for immediate environmental damage and settlement for its Deepwater Horizon oil spill that occurred in 2010. In addition, the company had to spend billions more for clean-up costs and economic damages to individuals and businesses.The accident cost BP a total of $65 billion — supposed to be the largest environmental settlement in history. The victims of the world's worst industrial disaster in Bhopal are still waiting for closure and nobody has paid anything for the environmental damage or remediation as yet. Let us draw lessons from the past before taking the nuclear leap. Promotion and regulation should not be under the same roof

NZ trade pact: Important to allay concerns of stakeholders

The Tribune Editorial: New Zealand's Prime Minister has welcomed the deal, but the Foreign Minister, his coalition partner, has vowed to oppose it

THE conclusion of negotiations on a Free Trade Agreement (FTA) with New Zealand sets the course for doubling bilateral trade in the next five years. To the Narendra Modi government's credit, India's dairy sector remains protected from duty concessions. As with the trade pacts inked in the past, the tough stance resonates with the template on what is non-negotiable for New Delhi. How it plays out in the prolonged trade talks with the US is the real test. One of the concessions Washington is seeking is access to India's politically and economically sensitive farm and dairy sectors. The FTA with New Zealand removes numerous caps on Indian students. Jobs in skilled occupations will also be offered with 5,000 three-year visas annually. A final deal though would need varying degrees of resolve and accommodation by both sides in the face of opposition to some provisions.New Zealand's Prime Minister has welcomed the deal, but the Foreign Minister, his coalition partner, has vowed to oppose it. It gives too much away, he said, especially on immigration and dairy, pointing out that this would be the first trade deal to exclude his country's major dairy products. For India's apple growers, slashing by half the duty on imports from New Zealand is a worrying development that could open the door for more such concessions to other countries. So far, India maintains 50 per cent duty on apple imports from all the supplying countries. The annual applicable quota for apple import from New Zealand would also grow from the sixth year onwards. Allaying concerns of the stakeholders must be given priority.

Bangladesh lynching is a failure of society

Minority protection has been a signal failure of the interim government.

EVERY winter, Bangladesh's critics outside the country are right about one thing: The lynching of Dipu Chandra Das was an abomination that had no place in a civilized society. His murder shames us all.It is not enough to point out that this kind of violence is meted out to other minorities in other countries in the region or that it is not part of a pattern of systemic violence against minorities in Bangladesh.Both are discussions for another day and bring cold comfort to his terror-stricken family and indeed every minority living in Bangladesh who by now has probably seen the bone-chilling and heart-rending images of his last moments.This was a failure, not just of the state but also of the society. Let's start with state failure. Let us be perfectly blunt. Minority protection has been a signal failure of this interim government.

Yes, the reports of minority persecution that have been spread like wildfire by Indian media and social media are exaggerated, and Bangladesh is nothing like a nightmare for minorities that they try to portray it as.

It is also true that this administration is not an enemy to the minority community and has taken pains to try to protect them. However, it has not been nearly enough.

The simple truth is that, for all its ills, minorities in Bangladesh today are far less secure than they were during the last regime, and that there has been a nasty uptick in communalism and religious intolerance that this government has not done nearly enough to confront or to try to dispel.Talk to any religious minority and they will tell you that the fear is very real. Part of it is the overall feeling of lawlessness which always leaves the most vulnerable the least protected.But a larger part of it is this government's inability or disinclination to stand up to preachers of hatred and intolerance or to make minority protection a priority.

If it were, then incidents such as the lynching of Dipu Chandra Das wouldn't happen.It is to the government's credit that seven individuals have already been arrested in connection with this atrocity, but it is simply not good enough.The law enforcement authorities who failed in their duty to protect this Bangladeshi citizen and were by some reports also complicit in his lynching need to be brought to book.But even more crucially, the government needs to acknowledge that such an atrocity could only occur because it has not done enough in the last 18 months to prioritise minority protections and to send the message that there will be zero tolerance for this kind of violence.What gave his killers such confidence that they could act this way in full public view, indeed with dozens of people filming it on their mobile phones?What made them think that they would be immune to the law of the land and that they could lynch a fellow Bangladeshi with impunity, that too on allegation of something he never even said?What has given them and people like them the arrogance to believe that such a grotesque act of murder was doing God's work and that they would face no punishment for their actions?

What has empowered Dipu's killers and people like them to believe that they can take the law into their own hands, and that violence and intimidation are an acceptable means of imposing their beliefs on everyone else?

What is at stake here is not simply minority rights, but the fact that so many people evidently believe that the law of the land does not apply to you if you feel that you are acting in accordance with your religious beliefs.

Leave aside the fact that no religion, let alone Islam, condones cold-blooded murder, and that those who kill like this in the name of Islam are guilty of the worst kind of blasphemy themselves and do dishonor to their faith.

What we need in Bangladesh is rule of law and the understanding that no one has the right to take the law into their own hands, whatever the perceived provocation, and that the torture and lynching of a fellow human being is always wrong and can never be acceptable.The fact that Dipu did nothing wrong only makes his murder all the more heart-rending. But even had he done something wrong, that would still have been no reason to end his life in such a grotesque manner.

And let's not leave aside the fact that he was a minority. The fact of the matter is that in our country, in our region, minorities need extra protection because they are the most vulnerable, the most marginalised, and the most under threat.We have an extra responsibility of care towards our minority communities precisely because they are minorities and uniquely vulnerable.

As we move forward to build a new Bangladesh, we need to put minority protection and minority rights front and centre, not because of inflammatory accusations from across the border from those who frankly need to do better protecting the rights of their own minorities, but because it is the right thing to do.We used to understand this instinctively not so long ago, and the promise of independence was the promise that all Bangladeshis could live lives of decency and dignity, regardless of community or creed.If we ever wish to live in a country worthy of our forebears who gave their lives so that we may be free, we need to once again understand that protecting the most vulnerable among us is our sacred duty.

How will insurance industry trends create new opportunities in 2026

New Delhi.(Agency)

For decades, insurance has been viewed as a slow-moving industry with little history of innovation. Over the last two decades, changes in regulations and the participation of new players have helped the industry evolve in terms of value-added services, product features, and overall customer experience. Despite these changes, the general perception among policyholders remains that insurance processes are slow, and that claims are still cumbersome and lengthy.Powered by artificial intelligence, rising climate risks, and changing customer expectations, the insurance industry is now silently transforming itself. Some of the trends that we may see in 2026 could look very different from what most people expect today.

TECH ADOPTION AND ARTIFICIAL INTELLIGENCE

The world has been completely transformed by the recent surge in AI and other technological advances. By 2026, the involvement of artificial intelligence is expected to increase significantly across the insurance industry. Many insurers have already started using AI for routine tasks such as renewal calls, fraud control, and plugging revenue leakages.Soon, intermediaries are also likely to adopt technology more actively to enhance customer experience, product selection, and onboarding. Specialised activities such as policy reviews, proposal form checks, and KYC processes may start happening in minutes instead of days. Given the huge headroom for growth, AI - rather than replacing people, will enable professionals to focus more on decision-making and nurturing customer relationships.The government's digital push through the Bima Trinity framework (Bima Sugam, Bima Vistaar, and Bima Vahak), along with compliance requirements under the DPDP Act, will also keep technology as a strategic priority. This will mandate significant investments by insurers and distributors in tech infrastructure, data governance, and cybersecurity.

PRODUCTS EMBEDDED INTO EVERYDAY PURCHASES

Insurance products are expected to be packaged directly into everyday purchases such as cars, travel bookings, electronics, and loans. This is already visible across various fintech platforms and modern retail setups. For instance, when booking a cab online, customers are often asked whether they would like to insure the trip, or when buying an expensive gadget at a store, insurance is offered almost instantly by the salesperson.This approach works well, largely because of its simplicity. Customers are offered simple and relevant cover at the point of purchase, where the need is obvious and the buying process is seamless. Embedded insurance is likely to expand further into tier-3 and tier-4 cities, or "Bharat", in many more forms by making insurance easy, timely, and available at almost negligible distribution cost.

Hindustan Copper shares at 15-year high: What's driving the rally

New Delhi.(Agency)

Shares of Hindustan Copper Limited extended their sharp run on Friday, climbing nearly 8% to trade around Rs 470.70 on the BSE by about 12:45 PM, hitting their highest level in nearly 15 years.

The stock has been one of the standout performers in the metal space, and Friday's move reflects a mix of strong commodity trends and sustained investor interest.It may be noted that the shares of the company have gained over 22% in the past five trading sessions and nearly 43% in the past month.

COPPER PRICE RALLY LIFTS MINING NAMES

The most visible driver behind Hindustan Copper's surge is the powerful rally in global copper prices. Commodity markets have pushed copper to multi-year highs, with benchmark prices on major exchanges climbing sharply this year as demand across industrial and green energy sectors outpaces supply.Higher copper prices directly boost the revenues and margins of mining producers like Hindustan Copper, which operates across the mining value chain from ore to refined metal.

Investors see the stock as a pure play on the copper price cycle, so gains in the metal itself often translate quickly into equity gains for the company.ONE OF INDIA'S CLEAR METAL LEADERS

Hindustan Copper holds a unique position in India's mining landscape as the country's only vertically integrated copper producer. It controls key mining leases and is exposed directly to both upstream and downstream segments of copper production.That structural position makes it especially sensitive to the broader copper price cycle. Over the past month, the stock has gained sharply as copper prices rallied globally, with recent gains pushing the share price toward fresh long-term highs.

STEADY FUNDAMENTALS AND OPERATING LEVERAGE

Copper mining is inherently a fixed-cost business: once mines and processing facilities are operational, much of the cost base remains stable while revenues scale with prices.

AP clears Vedanta's onshore drilling plan, balancing energy push with water safeguards

CHENNAI .(Agency)

The Andhra Pradesh government has issued a conditional no-objection certificate to Vedanta Ltd, allowing the company to drill 20 onshore oil and gas wells in Krishna district, marking a significant step in expanding private participation in domestic hydrocarbon production while underscoring the state's cautious approach to protecting water resources and irrigation infrastructure.

According to reports, the approval has been granted to Vedanta's Cairn Oil and Gas division under India's Discovered Small Field policy. The company had sought permission to drill a larger number of wells across several locations in the region, but the state government cleared only 20 sites after scrutiny by the irrigation authorities. Officials examined the potential impact of drilling activity on canals and other water systems, particularly because parts of the proposed exploration block intersect with the Bandar Canal and the wider Krishna delta irrigation network.The no-objection certificate comes with stringent conditions. The state has made it clear that Vedanta will not be allowed to draw water from canals, reservoirs, ponds or other surface water bodies linked to the irrigation system. The permission is also limited in scope and does not replace other statutory approvals that the company must obtain before starting drilling operations. Clearances related to the environment, pollution control and land use will still be required, and compliance with these conditions will be closely monitored.From a policy perspective, the decision reflects the balancing act faced by state governments as India pushes to increase domestic oil and gas production to reduce reliance on imports, says an industry expert. "Onshore fields developed under the Discovered Small Field framework are seen as quicker to bring into production and less capital-intensive than large offshore projects.

India's FTA marathon: Can it narrow a near $17-billion trade gap

CHENNAI.(Agency)

India is in the midst of its most intense free trade agreement (FTA) push yet, with 2025 marking the highest number of trade pact signings in a single year. During the year, India signed three major FTAs, while the agreement with the four-nation European Free Trade Association (EFTA) coming into force. Collectively, these deals are expected to unlock trade and investment opportunities worth nearly $260 billion in the coming years.However, despite the aggressive FTA drive, India continues to run a combined trade deficit of nearly $17 billion with these partner regions in 2024-25. India's trade deficit stands at $20.47 billion with EFTA and $2.48 billion with Oman, even as it enjoys a surplus with the UK and New Zealand. The agreements offer tariff-free access across sectors ranging from engineering goods and textiles to pharmaceuticals, seafood and processed foods—giving exporters an opportunity to move up the value chain, even as negotiations test India's stance on labour standards, sustainability and market access.Diversifying export markets has emerged as a key priority for India as it seeks to cushion the impact of higher tariffs, particularly from the US. As highlighted by the Ministry of Commerce, India has fast-tracked trade negotiations with several regions to minimise the fallout from US tariff hikes.

Gold, silver extend record rally: Should you buy now

New Delhi.(Agency)

Gold and silver prices are extending a historic rally, pushing both metals to record highs and forcing investors to reassess their role in portfolios. What began as a safe-haven trade has now turned into a broad-based momentum move, backed by global uncertainty, policy expectations and strong demand dynamics.According to Ponmudi R, gold continues to act as the anchor hedge in uncertain times, while silver has clearly emerged as the high-beta outperformer of the current cycle. Currency stability and global risk flows, he says, will remain the key drivers in the near term.

WHY GOLD IS HOLDING STRONG NEAR RECORD LEVELS?

On global markets, COMEX gold is trading close to all-time highs around $4,530–4,540 per ounce for the February 2026 contract. The broader technical structure remains firmly bullish, supported by sustained safe-haven demand, geopolitical risks, aggressive central-bank buying and expectations of easier monetary policy globally.Despite occasional pauses,

gold has shown remarkable resilience, with every dip attracting buyers. As long as prices hold above the $4,500 level, the near-term upside remains open toward the $4,600–4,650 zone. Key support is seen in the $4,400–4,450 range, which has repeatedly cushioned declines.In the domestic market, MCX gold futures are hovering near lifetime highs around Rs 1,38,900–1,39,000. A decisive breakout above Rs 1,39,000 could open the door for a move toward Rs 1,40,000–1,45,000, while the Rs 1,36,000–1,35,000 zone continues to provide strong support.

SILVER STEALS THE SHOW

While gold remains steady, silver has clearly taken the lead. COMEX silver has surged to fresh record highs around $74–75 per ounce, driven by a rare combination of safe-haven buying, accelerating industrial demand and persistent supply tightness.Analysts note that silver's pullbacks have been shallow and short-lived, highlighting the strength of the ongoing trend. If momentum continues, prices could extend toward the $78–$80 zone, with strong support seen around $70–$72.MCX silver futures are also trading at all-time highs near Rs 2,31,000–2,32,000.

Eggs on the boil: Why prices are high and when they might cool

Kolkata .(Agency)

Egg prices rarely make headlines for long, but this winter has been different. With eggs selling at Rs 8 or more per piece across many Indian cities, the obvious consumer question has shifted from why prices are rising to how long they will stay high.The uncomfortable answer is that relief is unlikely anytime soon, and when it comes, it may be limited.

WINTER DEMAND IS DOING WHAT IT ALWAYS DOES

Historically, egg consumption in India peaks between December and January. Colder weather increases demand for protein-rich foods, school hostels, roadside eateries, and households consume more eggs, and institutional buyers step up procurement.Industry data and past pricing cycles show that demand typically remains elevated till late January.Prices usually start softening only from February, when temperatures rise and consumption normalises. This winter is following that pattern, except from a much higher starting point.

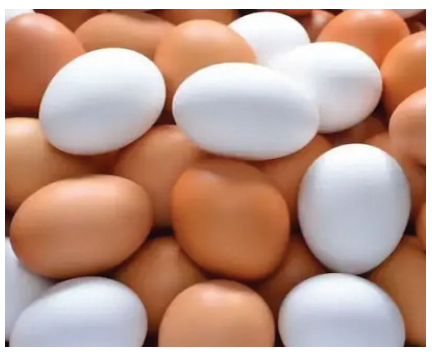

SUPPLY HAS IMPROVED, BUT NOT ENOUGH

India's egg supply has stabilised compared to last year, when shortages were reported in several regions. However, supply growth has not kept pace with demand recovery.

Poultry farmers have indicated that many small and mid-sized units shut down over the last two years due to prolonged losses. Restarting operations is neither quick nor cheap.Poultry cycles require weeks of preparation, and farmers are cautious about ramping up too fast, especially after years of volatile prices.As a result, even though production has improved, it is not abundant enough to push prices down sharply.

FEED COSTS ARE THE REAL FLOOR

One reason egg prices may not fall back to earlier levels is cost pressure.

Maize and soybean, the two key components of poultry feed, have seen sustained price increases over the past few years due to weather disruptions, export demand, and higher input costs. Feed typically accounts for over 60% of a poultry farmer's expenses.

This has effectively reset the minimum viable price for eggs. Industry estimates suggest that rates below Rs 6.5 to Rs 7 per egg are no longer economically sustainable for many farmers. That means even after seasonal demand cools, prices may soften only marginally, not collapse.

What happens if you do not file a revised ITR after your refund is put on hold

MUMBAI.(Agency)

Thousands of taxpayers have recently received messages from the Income Tax Department saying their income tax refund has been "put on hold" under the department's risk management process.

In many cases, these communications ask taxpayers to revise their return or respond to discrepancies identified during processing. For many taxpayers, the immediate concern is simple: what happens if no action is taken.

REFUND WILL NOT BE RELEASED AUTOMATICALLY

When a return is flagged under the risk management framework, the refund does not move forward on its own. If a taxpayer does not revise the return or respond to the issue flagged, the refund can remain on hold indefinitely, even if the claim is otherwise genuine.The tax system treats such returns as unresolved until the discrepancy is addressed, which means waiting alone will not result in the refund being credited.

RETURN MAY BE PROCESSED WITHOUT YOUR INPUT

If the taxpayer does not respond within the specified timeframe, the department may proceed to process the return based on the information available with it. This can lead to the refund being reduced, adjusted against existing or future tax dues, or converted into a tax demand.

Once the department completes processing in this manner, reversing or correcting the outcome usually requires additional filings and follow-up, making the process more time-consuming.

RISK OF INTEREST, DEMAND OR FURTHER ACTION

In cases where the discrepancy involves underreported income or incorrect claims, ignoring the issue can result in additional tax liability along with interest. While penalties are not automatic in every case, failing to respond weakens the taxpayer's position if the matter escalates.A return flagged under risk management is already under closer review, and non-compliance increases the chances of further verification or scrutiny down the line.

EVEN MINOR ERRORS CAN BLOCK REFUNDS

In many cases, the trigger for a refund hold is relatively small, such as a mismatch in income figures, TDS credits or deduction claims. Tax experts note that these issues are best corrected through a revised return, which replaces the original filing and allows processing to resume smoothly.Leaving even minor mismatches unresolved can result in prolonged delays and repeated follow-ups.

IS A REVISED RETURN ALWAYS REQUIRED

A revised return is not mandatory in every case. Sometimes, the department only requires an online response or clarification.

Is India's real estate market entering a more mature and institutional phase

Forces such as digitisation, institutional capital and changing consumer preferences reshaped the sector. More than just building structures, real estate is now about creating ecosystems that are interoperable with transit, logistics, digital infrastructure and services.

New Delhi.(Agency)

In 2025, India's real estate sector continues to mirror the country's economic journey. For decades, it was seen largely as cyclical – booms followed by busts. But now, the market is entering a new phase, which is defined more by enduring fundamentals and less by cycles. And the past year was testimony to that.Forces such as digitisation, institutionalcapital and changing consumer preferences reshaped the sector. What we witnessed was not just growth but a transformation showing that quality is now outcompeting quantity across asset classes. More than just building structures, real estate is now about creating ecosystems that are interoperable with transit, logistics, digital infrastructure and services.

RESIDENTIAL: BUOYANCY WITH DISCIPLINE

The housing market has sustained momentum through 2025. Both sales and launches surpassed 200,000 units in the first nine months. More importantly, supply has remained disciplined, which is reflective of improved governance and inventory hygiene. This is quite a departure from earlier cycles of oversupply.A sweet spot has also emerged in the INR 1–2 crore range, which reflects the aspirations of India's evolving middle class. Meanwhile, luxury buyers are prioritising amenities, technology integration and ESG compliances. Specifications have become key differentiators. It is observed that projects offering better technology integration and environmental standards command a premium.Rental housing is also evolving, with investors acquiring entire rental assets in student housing, coliving, and senior living. Private equity is eyeing lending opportunities in these emerging categories. With the RBI's monetary easing and government initiatives such as GST reductions, the sector is expected to remain steady.OFFICE: CORNERSTONE OF INDIA'S REALTY

The office market continues to be at the forefront of this journey. Both global and domestic companies are scaling up their presence and consolidating into future-ready and green-certified campuses. In the year 2025, India recorded its highestever leasing activity in the first nine months with gross absorption expected to surpass 80 million sq. ft. Global Capability Centres (GCCs) have emerged as the largest occupiers, accounting for nearly 40% of demand, which is more than half of largeticket deals.

The preference given to Bengaluru, Pune, and DelhiNCR reflects how global enterprises prefer India. The "flighttoquality" trend is unmistakable. Companies are consolidating into greencertified techenabled campuses that foster collaboration and innovation. Moreover, sustainability is no longer optional. It is the new blackwith ESG goals, shaping both occupier strategies and developer pipelines.In the upcoming year, the sector's strong fundamentals are likely to continue supporting the ongoing leasing activity. Interest is poised to be high in investment-grade assets . This momentum will keep vacancies on a leash and trigger selective rental escalations in strong performing micro-markets.

Sold in Delhi after fake job promise, escaped traffickers: Bangladeshi woman

A Bangladeshi woman was deceitfully brought to India and sold in Delhi, shedding light on the grave issue of human trafficking and cross-border exploitation. Authorities have rescued her and launched an investigation into the trafficking network.

New Delhi.(Agency)

A Bangladeshi woman has alleged that she was deceitfully brought to India and sold in Delhi, raising concerns over human trafficking and cross-border exploitation. Authorities in Assam confirmed that the woman has been rescued and an investigation is underway.The woman, Rumi Akhtar, a resident of Comilla district in Bangladesh, claimed that she, along with eight other girls, was smuggled into India via Dhaka and hilly border regions approximately two months ago.

Once inside India, she alleged, all the girls were issued Indian identity cards under false names. Rumi herself was given the name Jhumar Rai on her Aadhaar card.

Rumi said the girls were promised employment but were instead taken to Delhi and sold at different locations. She escaped from her captors eight days ago and made her way to Guwahati before reaching the Cooch Behar police station in West Bengal, pleading for help.

According to Rumi, Cooch Behar police directed her to the Goripur police station in Dhubri district, Assam. Upon reaching Goripur, she claimed the police refused assistance, saying the matter fell under Cooch Behar jurisdiction. Left stranded at night, Rumi wandered to the Gorakhpur area, where local residents arranged shelter for her at a nearby nursing home. The following morning, Assam police finally took her into protective custody.

Rumi told reporters, "I was brought from Bangladesh with eight other girls. They promised jobs but sold us instead. I escaped from Delhi and came to Guwahati, then to Cooch Behar. The police kept sending me from one station to another. I just want to go home to Bangladesh and help the others who are trapped like me."

Rumi alleged that a gang based in Dhaka had coordinated the trafficking. She said she was charged Rs 95,000 for the journey under false pretences of legitimate employment. After reaching India, she and the other girls were deceived and sold at various locations in Delhi. Her account highlights the use of fake documents and changed identities to circumvent authorities.

Devashish Bora, Senior Superintendent of Police, Dhubri, confirmed her rescue and said, "We have recovered the woman and are examining her documents. Preliminary investigation confirms she is Bangladeshi, from Comilla district. Enquiry is ongoing to trace the trafficking network and ensure the safety of other victims."

Authorities are now probing both the Indian and Bangladeshi sides of the alleged trafficking network, including intermediaries and brokers who allegedly lured the victims with false promises of employment.

Maha Kumbh To 150 Years Of 'Vande Mataram', India Celebrates Culture In 2025

The year ended on a high note with Deepavali, the festival of lights, earning the UNESCO tag.

New Delhi.(Agency)

From the Maha Kumbh in January-February to the launch of year-long celebrations of 150 years of "Vande Mataram" in November -- it was a packed calendar for the Ministry of Culture in 2025.The year ended on a high note with Deepavali, the festival of lights, earning the UNESCO tag.

India's cultural heritage was showcased at the Maha Kumbh through 'Kalagram' in the tent city at Prayagraj, Uttar Pradesh.Set up in a sprawling 10.24-acre area, 'Kalagram' was designed as a sensory odyssey that brought together tangible and intangible aspects of India's cultural heritage.

Besides, the Maha Kumbh logo was projected on various centrally protected monuments to mark the occasion.In the year gone by, the Ministry of Culture kicked off year-long celebrations to mark 150 years of the national song, "Vande Mataram", in November, celebrated the 300th birth anniversary of Ahilyabai Holkar with a grand function in Bhopal, and the 150th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel across the country.

The second half of 2025 saw the country earning two recognitions from UNESCO.The first was for 'Maratha Military Landscapes of India', which was added to the World Heritage List during the 47th Session of the World Heritage Committee held in July in Paris.

The 12 components of the 'Maratha Military Landscapes in India' are Salher Fort, Shivneri Fort, Lohgad, Khanderi Fort, Raigad, Rajgad, Pratapgad, Suvarnadurg, Panhala Fort, Vijay Durg, and Sindhudurg in Maharashtra; and Gingee Fort in Tamil Nadu.The second was Deepavali being inscribed on the UNESCO Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity on December 10.

This was the 16th element from India to be inscribed on the Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity.

Udaipur rape-accused CEO's IT firm rated itself 4.7/5 on women friendliness

New Delhi.(Agency)

GKM IT Private Limited, an Udaipur-based Information and Technology (IT) firm belonging to rape-accused CEO Jeetesh Sisodia, has ironically rated itself 4.7 out of 5 on woman-friendliness parameters.The company came into focus after a female manager accused its CEO Jeetesh Sisodia, executive head Shilpa Sirohi, and her husband Gaurav of gangraping her in a moving car earlier this month.Police said Sisodia had hosted a birthday party in a hotel on December 20, which the complainant attended. As the survivor began feeling intoxicated, some people at the gathering offered to take her home. Instead, the female executive allegedly persuaded her to join an after-party. Around 1.45 am, she was taken in a car where the CEO and the executive's husband were already inside.

During the drive, the accused allegedly purchased a substance resembling cigarettes from a shop and offered it to the woman. She claimed to have lost consciousness soon after consuming it.

In her statement, the survivor said she regained partial awareness to find Sisodia molesting her and later alleged that all three accused sexually assaulted her. Despite repeated requests to be taken home, she was dropped only around 5 am, the complaint stated.

The woman further reported that when she fully regained consciousness, her earrings, socks and undergarments were missing, and she noticed injuries to her private parts.Police said the car's dashcam, which allegedly recorded both audio and video of the incident, has emerged as a crucial piece of evidence in the ongoing investigation.

"The accused were arrested following the registration of a case at Sukher police station under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita. They were produced before a court on Thursday and sent on four-day police remand," Udaipur Superintendent of Police Yogesh Goyal said.

Will India hand over Sheikh Hasina? History shows even a partridge wasn't betrayed

New Delhi.(Agency)

In Gujarat, bards have sung this heroic lore for centuries. It's the story of how over 100 people sacrificed their lives to protect a partridge that had escaped from Chabad tribal hunters and sought refuge in a tent of Sodha Parmar Rajputs. Memorial stones in Muli, Surendranagar district, attest to this battle of 1474.

A united force of Rajputs, Brahmins, Rabaris (cowherds) and Harijans took on the Chabad hunters and 140 to 200 of them died, depending on which account one goes by, but not before killing over 400 of the rivals over the injured partridge. In Muli, a partridge is still revered.

The people of a land that fought to death to shield a partridge are very unlikely to throw a human being, considered a friend of India, to the wolves. There have been demands from Bangladesh to hand over ousted Prime Minister and Awami League Chief Sheikh Hasina.

Unlike in the case of Muli's partridge, there is law, fair justice and bilateral treaties that come into play in the case of Hasina, who has been in India since August 5, 2024. However, there is also the dharma to shield someone who has sought refuge. That has been a civilisational ethos of Indians, and is reflected even in the retelling of the epics. Even in 1975, after Hasina's father and then-Bangladesh's President Mujibur Rahman was assassinated along with other family members, she, along with her children, husband and sister, lived in New Delhi's Pandara Road under an assumed identity for six years until 1981.

That it is a moral duty to protect someone seeking refuge is referred to in Tulsidas's Ramcharitmanas, written in the 16th century."Those who abandon someone who has sought refuge, thinking it might harm them, are lowly, sinful people, and even looking at them brings misfortune."

The verse is attributed to Lord Rama arguing to protect Vibhishana, the brother of Lanka king Ravana, when he is brought to him as a captive. That was amid a war.

The concept of Abhaya Dana of the one who sought asylum is found in the mythological story of king Shibi Chakravarthi, who cut his own flesh and offered it to a falcon that was hunting a dove, which fell on his lap. Abhaya Dana is also one of the key tenets of Buddhism, where the Bodhisattvas are expected to protect all living beings, even at the cost of one's own life.Gujarat offers yet another heroic example of how thousands fought till the very end following this dharma in the Battle of Bhuchar Mori of 1591.Jam Sataji of Nawanagar sacrificed over 60 relatives, including his newly married son Kunwar Ajaji III, to protect Muzaffar Shah III, the last king of Gujarat Sultanate.

Accountant Carrying Rs 85 Lakh On Scooter Looted On Delhi-Lucknow Highway

New Delhi.(Agency)

A ride on a highway turned traumatic for a man after bike-borne robbers snatched away his bag containing Rs 85 lakh in office cash.

The incident, which took place on the Delhi-Lucknow highway, was caught on camera, and an investigation has been launched.

On December 15, the man, working as an accountant for a Noida-based businessman, was returning from Hapur after collecting cash. He was riding on the Delhi-Lucknow highway when another bike overtook him and pulled close. Taking support from an adjacent car, said to be involved in the crime, the bike-borne robbers kicked the accountant, making him lose balance and fall on the ground, snatched his bag full of cash, and fled the scene.

The accountant rolled on the ground several times before stopping as his scooter skidded on the road, as seen in the CCTV footage.

The police have released pictures of the accused and announced a reward of Rs 50,000 for each one of them.Kunar Gyananjay Singh, Superintendent of Police, Hapur, has assured that the police will soon crack the case.

In another incident earlier this month, two women in Punjab's Ludhiana thwarted a snatching attempt and chased away robbers on a bike. Two women were driving an Activa when two men on an adjacent bike cornered them. The man riding pillion leaned in and tried to snatch the woman driver's bag. The woman lost balance and got off the scooter but managed to save her bag.The pillion rider then got off the bike and pulled out a curved sword, threatening to attack the women.

Act on illegal borewells across Delhi within two months: National Green Tribunal

Tribunal issues directive while hearing a petition alleging widespread environmental violations by dyeing units

New Delhi.(Agency)

In a big crackdown, the National Green Tribunal (NGT) has directed Delhi authorities to complete proceedings and issue a final order within two months on the action to be taken against several illegal borewells operating inside dyeing units across multiple industrial clusters of the Capital.

The green body issued the directive while hearing a petition alleging widespread environmental violations by dyeing units in areas such as Narela, Bawana, Mayapuri and Lawrence Road. The plea claimed that many of these units had been functioning without the mandatory environmental clearances and were illegally extracting groundwater through unauthorised borewells.

It further alleged that untreated and toxic effluents generated by these units were being discharged into open land and drains, leading to groundwater contamination, which posed serious health risks to local residents.

It may be recalled that the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) had earlier submitted an action taken report dated February 17, stating that inspections were carried out at 61 locations. Of these, 18 units were found to be compliant with environmental norms, while 28 units were operating in violation of the prescribed standards. Further, six units were found locked at the time of the inspection and another unit could not be traced.

Further, in a separate reply filed by the Delhi Jal Board on May 29, it said joint inspections had been conducted across Lawrence Road, Mayapuri, Narela and Bawana. The inspections revealed the presence of illegal borewells at several sites. While some of these borewells were sealed, action against others was yet to be taken.In its order dated December 19, a bench of NGT chairperson Justice Prakash Shrivastava and expert member A Senthil Vel expressed concern over the delay and directed .

Centre opposes plea for GST cut on air purifiers, questions petitioner's motive

New Delhi.(Agency)

The Centre on Friday opposed a Public Interest Litigation (PIL) seeking reduction in GST on air purifiers and their classification as "medical devices" before the Delhi High Court, saying it is not a medical device and the GST Council cannot take a call on this, as classification of medical devices is done by the Health Ministry after detailed checks, and not the GST Council.

Additional Solicitor General (ASG) N Venkataraman, appearing for the Centre, also informed a bench comprising Justice Vikas Mahajan and Justice Vinod Kumar that no urgent GST Council meeting has been called to discuss the reduction of GST on air purifiers, as the process is involved and two days time is not enough to react to this petition. It sought time from the court to file a detailed affidavit on the matter.

The ASG further told the court that there is a process involved for GST cut and this process cannot be scuttled, explaining that the GST Council is a constitutional body and it is a federal levy. All states, he added, are involved in the process and if anything has to be voted on, it can only be done physically.

The High Court, while hearing the petition, filed by advocate Kapil Madan, on December 24, had asked the GST Council to hold a meeting urgently on the issue of GST cut on air purifiers amid worsening air pollution in the national capital had asked the GST council to consider holding an urgent meeting and take a decision on the issue."The court's concern was given the air situation in Delhi and surrounding areas. Why can't it be done? Do whatever you have to do. Right now an air purifier costs 10-15K. Why not bring down the GST to a reasonable level where even a common man can afford an air purifier? What is the difficulty in GST council taking a call on this," the bench asked the ASG on Friday.

"There is a process involved. How can this process be scuttled? GST Council is a constitutional body. This will open a Pandora's box. A Parliamentary committee has recommended something to us. It will be considered, there is a process. The constitutional issue is involved. We are not saying anything. We are not saying whether it will be done or not," the ASG told the bench.

The ASG, while arguing the matter, also objected to the petitioner not impleading the Health Ministry as a party and questioned the motive of the petitioner behind the petition.

"See the prayers in the petition. The Health Ministry is not even a party and the prayer is to declare the air purifier as a medical device. The GST council cannot do that. We have gone through the rules, so much of the procedure, licencing etc. It's heavily regulated. Who he wants to benefit, we don't know. I see a lot of things in this petition is calculated. Give us time to file a detailed counter-affidavit," the ASG said.

The ASG further told the court that the matter was deliberated at the highest level of the Finance Ministry and there are few concerns about this petition.

"This matter was deliberated at the highest level of the Finance Ministry. We have a few concerns about this PIL. If this can be converted as a representation, that's fine. If the petitioner wants to contest it, we want to file a detailed counter affidavit. We want to know who is behind this writ petition. It is not a PIL at all," the ASG further said.

NEWS BOX

Cambodia says Thailand escalated strikes during border talks

PHNOM PENH .(Agency)

Cambodia accused Thailand on Friday of intensifying its bombardment of disputed border areas, even as officials from the two countries attend a multi-day meeting aimed at negotiating an end to deadly clashes.The neighbours' long-standing border conflict reignited this month, shattering an earlier truce and killing more than 40 people, according to official counts. Around a million people have also been displaced.

Cambodian and Thai officials were in their third day of talks at a border checkpoint on Friday, with defence ministers from both countries scheduled to meet on Saturday.However, Cambodia's defence ministry said Thailand's military carried out a heavy bombardment of disputed border areas in Banteay Meanchey province Friday morning."From 6:08 am

to 7:15 am, the Thai military deployed F-16 fighter jets to drop as many as 40 bombs, to intensify its bombardment in the area of Chok Chey village," it said in a statement.Thai media said Friday that Cambodian forces had launched heavy attacks overnight along the border in Sa Kaeo province, where several homes were damaged by shelling.

Trump says US struck Islamic State targets in Nigeria after group targeted Christians

NEW YORK . (Agency)

President Donald Trump said Thursday that he'd launched a "powerful and deadly" U.S. strike against Islamic State forces in Nigeria, after spending weeks accusing the West African country's government of failing to rein in the persecution of Christians.

In a Christmas night post on his social media site, Trump did not provide details or mention the extent of the damage caused. But the U.S. Africa Command said on X that strikes had been conducted "at the request of Nigerian authorities in Soboto State" and had killed "multiple ISIS terrorists."Trump wrote, "Tonight, at my direction as Commander in Chief, the United States launched a powerful and deadly strike against ISIS Terrorist Scum in Northwest Nigeria, who have been targeting and viciously killing, primarily, innocent Christians, at levels not seen for many years, and even Centuries!"A Defense Department official, who insisted on animosity to discuss details not made public, said the U.S. worked with Nigeria to carry out the strikes, and that they'd been approved by that country's government.

Nigeria's Ministry of Foreign Affairs said the cooperation included exchange of intelligence and strategic coordination in ways "consistent with international law, mutual respect for sovereignty and shared commitments to regional and global security."Terrorist violence in any form, whether directed at Christians, Muslims or other communities, remains an affront to Nigeria's values and to international peace and security," the ministry said in a statement.

Unclean Water, Power Cuts In Cell: UN Expert Criticises Imran Khan's Wife's Detention Condition In Pak

Geneva . (Agency)

United Nations Special Rapporteur on torture has criticised the detention conditions of former Pakistan Prime Minsiter's wife, Bushra Bibi Khan, stating that the conditions fall far below minimum international standards.Bushra Bibi Khan, the wife of former Pakistani Prime Minister Imran Khan, is detained in circumstances that could pose a serious risk to her physical and mental integrity, a UN expert warned, urging authorities to take immediate steps to address the situation, a press release by the Office of the High Commissioner of Human Rights (OHCHR) in the UN stated."The State has an obligation to protect Bushra Bibi Khan's health and ensure conditions of detention compatible with human dignity," said Alice Jill Edwards, the UN Special Rapporteur on torture.

According to the press release by OHCHR, currently held in Adiala Jail, Bushra Bibi Khan is reportedly confined to a small, airless cell that is described as filthy, overheated and infested with insects and rodents. Power cuts allegedly plunge the cell into darkness. She is reportedly given unclean drinking water and food rendered inedible by excessive chilli powder.These conditions have contributed to significant weight loss of approximately 15 kilograms, recurrent infections, fainting episodes, and untreated medical complications, including a tooth abscess and a stomach ulcer from allegations of contaminated food during an earlier period of detention.Such conditions fall far below minimum international standards," Edwards said. "No detainee should be exposed to extreme heat, contaminated food or water, or conditions that aggravate existing medical conditions."The expert reminded Pakistan that detention conditions and locations must take into account detainees' age, sex, and health circumstances.

Myanmar will hold its first general election in five years as criticism of military rule mounts

Human rights and opposition groups say the vote will be neither free nor fair and that power is likely to remain in the hands of military leader Senior Gen. Min Aung Hlaing.

BANGKOK. (Agency)

Myanmar will hold the first phase of a general election on Sunday, its first vote in five years and an exercise that critics say will neither restore the country's fragile democracy undone by a 2021 army takeover, nor end a devastating civil war triggered by the nation's harsh military rule.

The military has framed the polls as a return to multi-party democracy, likely seeking to add a facade of legitimacy to its rule, which began after the army four years ago ousted the elected government of Aung San Suu Kyi. The takeover triggered widespread popular opposition that has grown into a civil war. The fighting has complicated holding the polls in many contested areas.

Voting will be held in different parts of the country in three phases, with the second on Jan. 11 and the third on Jan. 25.

Human rights and opposition groups say the vote will be neither free nor fair and that power is likely to remain in the hands of military leader Senior Gen. Min Aung Hlaing.Critics doubt a real transition to civilian ruleRichard Horsey, a Myanmar analyst for the International Crisis Group, noted that the vote is being run by the same military that was behind the 2021 coup. "These elections are not credible at all," he told The Associated Press. "They do not include any of the political parties that did well in the last election or the election before."

Horsey says the military's strategy is for its favored Union Solidarity and Development Party to win in a landslide, shifting Myanmar from direct military rule to a government with a "civilian veneer"

that perpetuates army control. That would allow the military to claim that holding the election showed progress towards inclusiveness in the spirit of a peace proposal by the 11-member Association of Southeast Asian Nations, that calls for "constructive dialogue among all parties concerned" so they can "seek a peaceful solution in the interests of the people."

It would also provide an excuse for neighbors like China, India and Thailand to continue their support, which they contend promotes stability in Myanmar. Western nations have maintained sanctions against Myanmar's ruling generals because of their anti-democratic actions and brutal war on their opponents.The army seized power on Feb. 1, 2021, claiming the 2020 election — won in a landslide by Suu Kyi's National League for Democracy — was illegitimate because of alleged large-scale voter registration irregularities. Independent observers, however, found no major problems.On Sunday, ballots will be cast in 102 of the country's 330 townships. Further rounds will follow on Jan. 11 and Jan. 25, leaving 65 townships where there would be no voting because of the ongoing conflict with ethnic guerrilla groups and resistance forces.

North Korea's Kim Jong Un orders factories to make more missiles in 2026

SEOUL. (Agency)

. North Korean leader Kim Jong Un has ordered officials to step up production of missiles and construct more factories to meet his military's growing need for the projectiles, state media said Friday.Pyongyang has significantly increased missile testing in recent years -- aimed, analysts say, at improving precision strike capabilities, challenging the United States as well as South Korea, and testing weapons before exporting them to key ally Russia.In a visit to munitions factories accompanied by top officials, the state-run Korean Central News Agency (KCNA) said Kim had ordered the factories to prepare for a busy year ahead.

The North Korean leader said they needed "to further expand the overall production capacity" to keep pace with demand from Pyongyang's armed forces and ordered the building of new munitions plants, KCNA reported.

"The missile and shell production sector is of paramount importance in bolstering up the war deterrent," Kim said.North Korea and Russia have drawn closer since Moscow launched its invasion of Ukraine nearly four years ago, and Pyongyang has sent troops to fight for Russia, along with artillery shells, missiles and long-range rocket systems.

In return, Russia is sending North Korea financial aid, military technology and food and energy supplies, analysts say.

Washington has also pointed to evidence that Russia is stepping up support for North Korea, including providing help on advanced space and satellite technology, in return for its assistance in fighting Ukraine.Analysts say satellite launchers and intercontinental ballistic missiles (ICBMs) share much of the same underlying technology.

"With its ICBM program already at a stage widely seen as having achieved core objectives, Pyongyang is likely to further accelerate development next year," said Ahn Chan-il, a researcher originally from North Korea.

The country is likely to shift "focus toward testing and producing systems linked to potential exports to Russia -- including medium- and intermediate-range missiles," he added.

Nuclear-powered sub

Kim's visit was reported a day after state media said he had toured a nuclear submarine factory and vowed to counter the "threat" of South Korea producing its own such vessels with Washington's backing.The North Korean leader also learned about research into "new underwater secret weapons", KCNA said.North Korea is expected to "seek advanced military technologies from Russia, including nuclear-powered submarine capabilities and fighter jets, as it looks to address its air force's relative weakness.

A Venezuelan family's Christmas: From the American dream to poverty

MARACAY . (Agency)

This was not the Christmas that Mariela Gómez would have imagined a year ago. Or the one that thousands of other Venezuelan immigrants would have thought. But Donald Trump returned to the White House in January and quickly ended their American dream.

So Gómez found herself spending the holiday in northern Venezuela for the first time in eight years. She dressed up, cooked, got her son a scooter and smiled for her in-laws. Hard as she tried, though, she could not ignore the main challenges faced by returning migrants: unemployment and poverty.

"We had a modest dinner, not quite what we'd hoped for, but at least we had food on the table," Gómez said of the lasagna-like dish she shared with her partner and in-laws instead of the traditional Christmas dish of stuffed corn dough hallacas. "Making hallacas here is a bit expensive, and since we're unemployed, we couldn't afford to make them."Gómez, her two sons and her partner returned to the city of Maracay on Oct. 27 after crossing the US-Mexico border to Texas, where they were quickly swept up by US Border Patrol amid the Trump administration's crackdown on immigration. They were deported to Mexico, from where they began the dangerous journey back to Venezuela.They crossed Central America by bus, but once in Panama, the family could not afford to

continue to Colombia via boat in the Caribbean. Instead, they took the cheaper route along the Pacific's choppy waters, sitting on top of sloshing gasoline tanks in a cargo boat for several hours and then transferring to a fast boat until reaching a jungled area of Colombia. They spent about two weeks there until they were wired money to make it to the border with Venezuela.Gómez was among the more than 7.7 million Venezuelans who left their home country in the last decade, when its economy came undone as a result of a drop in oil prices, corruption and mismanagement. She lived in Colombia and Peru for years before setting her sights on the U.S. with hopes of building a new life.

20-year-old Indian student shot dead near University of Toronto campus

PHNOM PENH .(Agency)

A 20-year-old Indian doctoral student has been shot dead near the University of Toronto Scarborough campus, with authorities investigating the case as a homicide.In a statement, Toronto Police Service said the shooting occured on Tuesday and that victim has been identified as Shivank Avasthi of Toronto. They have appealed for information from the public.Toronto police said the suspect fled the area before officers arrived. No suspect description has been released. They added that the investigation remains ongoing and the killing is being treated as a homicide.

According to loca media, police said they were called to the area of Highland Creek Trail and Old Kingston Road at around 3:30 pm after receiving reports of an injured person lying on the ground.When officers arrived, they found a man with a gunshot wound, who was pronounced dead at the scene, Inspector Jeff Allington told reporters. "Our immediate focus is on preserving evidence at the scene, determining what happened and notifying this individual's next of kin. Because of that, there is very little information that I am able to share with you tonight," he said.Avasthi was a member of the UTSC cheerleading team, which paid tribute to him via Instagram. "We are deeply saddened and in shock by the sudden loss of a beloved Maroon, Shivank Avasthi," the team wrote, recalling how Avasthi lifted spirits during practice with his encouragement and support.

"He brought a smile to anyone's face, and we were lucky to have him as part of our team. He will always be part of our UTSC Cheer family," it read.Meanwhile, India's Consulate in Toronto expressed "deep anguish" over Avasthi's death. "We express deep anguish over the tragic death of a young Indian doctoral student, Shivank Avasthi, in a fatal shooting incident near the University of Toronto Scarborough Campus," the Consulate wrote on X.

A UTSC spokesperson said the university was "extremely saddened" to learn about the death near the campus, but did not confirm whether the victim was a student, CP24 Television network reported.

"The Consulate is in touch with the bereaved family during this difficult time, and is extending all necessary assistance in close coordination with the local authorities," it added.

India-UK ties in 2025 shaped by trade pact, migration shifts and shared crises

Trade agreements, education, immigration and the Air India crash defined the year, reflecting a diaspora whose experiences continue to shape the ties between the two countries.

WORLD .(Agency)

As the year comes to a close, India–UK relations saw a renewed push that went well beyond trade and investment, marked by a series of political, economic and people-to-people developments.The most significant milestone was the long-awaited Free Trade Agreement finally reaching fruition. Alongside it, the ambitious India–UK Vision 2035 roadmap also took shape, signalling a broader effort to reset and deepen bilateral ties over the next decade.FTA negotiations dominated headlines for much of the year, with both sides determined to take the deal across the line. The agreement was formally signed during Prime Minister Narendra Modi's visit to the UK in July.British Prime Minister Keir Starmer, marking his own first year in office, extended a notably warm welcome to Modi at his countryside residence, Chequers, near London, where the two leaders met over cups of chai."We have agreed a landmark deal with India, one of the fastest growing economies in the world," Starmer said, as he accepted Modi's reciprocal invitation to lead what he described as the "biggest British trade delegation to India ever" during a visit planned for October.According to analysis by the UK Department for Business and Trade, the Comprehensive Economic and Trade Agreement is expected to boost bilateral trade by more than 25 billion pounds, up from the current 44.1 billion pounds, once it comes into force following ratification by the UK Parliament. This process is expected to be completed in the first half of 2026."India is a growing force on the world stage, on track to have the third largest economy by 2028," Starmer told the House of Commons after his Mumbai

visit.Beyond trade, both governments repeatedly highlighted the "ambitious and future-focused" India–UK Vision 2035, a 10-year roadmap that sets out strategic goals for sustained cooperation across sectors ranging from innovation and defence to education and climate action.One area set to see tangible outcomes from the New Year is higher education. At least nine British universities are finalising plans for overseas campuses in India, reflecting growing demand for UK-linked education options closer to home. These developments have also been viewed as a partial counterbalance to the UK government's increasingly strict immigration policies.According to the latest Home Office data, around 45,000 Indians on study visas and 22,000 professionals on work-related visas left the UK this year, contributing significantly to the downward trend in net migration. Immigration is expected to remain a sensitive issue in 2026, particularly with tougher rules doubling the wait for permanent residency to 10 years for most applicants, a move that could accelerate the exodus of Indian nationals.Another less welcome trend was the growing number of wealthy individuals leaving Britain amid a high-tax environment. Rajasthan-born steel magnate Lakshmi N Mittal, founder of ArcelorMittal and ranked eighth on The Sunday Times Rich List with an estimated fortune of 15.

NEWS BOX

Virat Kohli hits rapid 77 in Bengaluru after Rohit Sharma's golden duck in Jaipur

NEW DELHI. (Agency)

Star India batter Virat Kohli missed out on his second successive century in the Vijay Hazare Trophy 2025–26 as he was dismissed for 77 (61) against Gujarat on Friday, December 26, at the BCCI Centre of Excellence Ground 1 in Bengaluru. Kohli came into the match on the back of a solid hundred in the first fixture against Andhra.

He walked to the crease early after opener Priyansh Arya was dismissed in just the second over by CT Gaja. Kohli took no time to settle, coming out flashing his willow all around and starting his innings with a flurry of boundaries. He raced into the 30s off just 16 balls, striking at a rate of over 190.Kohli brought up his half-century in just 29 deliveries as Arpit Rana struggled at the other end. However, as wickets fell at the opposite end, with Arpit (10) and Nitish Rana (12 off 22) departing cheaply, Kohli was forced to bide his time at the crease.As a result, he had to slow down after completing his fifty, with Delhi desperately needing him to stay at the crease and anchor the innings. He was eventually dismissed for 77 (61), losing his wicket to CT Gaja. Kohli smashed 13 fours and a six during his entertaining knock, leaving everyone at the ground enthralled.

While Kohli continued his marvellous form, Rohit Sharma did not have a memorable second outing in the Vijay Hazare Trophy, following his century against Sikkim. After a

breathtaking 155 (94) in the previous fixture, Rohit returned to the pavilion with a golden duck in Mumbai's second match against Uttarakhand.The opening batter attempted to pull Devendra Singh Bohra in the very first over but ended up hitting the ball straight down the throat of Jagmohan Nagarkoti at fine leg. Hence, both batting stalwarts endured contrasting outings in the Vijay Hazare Trophy.

2026 beckons: Can Rinku Singh finally boss India's T20I middle order

NEW DELHI. (Agency)

For Rinku Singh, the T20 format has resembled a relationship forever stuck between break-ups and make-ups - full of promise, frustration and unfinished business. Just when things seem to fall into place, circumstances intervene, forcing both sides to step back and reassess.Over the last three years, Rinku and T20 cricket have shared a similarly uncertain bond, one that has flickered but never quite settled into

permanence.Yet, hope has a habit of resurfacing. Rinku now finds himself with another opportunity to repair that fragile equation. Earlier this month, he was drafted into India's squad for the men's T20 World Cup, replacing Jitesh Sharma and finally earning a spot that had eluded him before.In 2024, Rinku was named only as a reserve, close enough to dream but not quite inside the door. This time, fortune smiled - delivering him his maiden World Cup call-up and, perhaps, the chance to finally make T20s his own.

TURBULENT TIMES FOR RINKU

For Rinku Singh to truly shine, he may need to raise his game just a notch higher. Since his breakthrough IPL season in 2023, the format hasn't been as kind. The numbers paint a sobering picture. In IPL 2024, Rinku endured an underwhelming campaign, scoring just 168 runs from 11 innings at an average of 18.66 and a strike-rate of 148.67.The following season brought only marginal improvement - 206 runs in 2025 at an average of 29.42 - but the match-winning Rinku of 2023 has largely been missing.

Perhaps most telling is the absence of a defining knock. It has now been two full seasons and 28 matches since Rinku last scored an IPL fifty, a drought that highlights how quickly momentum can slip away in T20 cricket.The struggles have extended beyond the IPL. The 2025 Syed Mushtaq Ali Trophy proved another challenge, with Rinku managing 172 runs in seven matches at an average of 24.

Ashes: Josh Tongue ends England's 27-year wait before record MCG crowd on Boxing Day

Ashes, Boxing Day Test: Josh Tongue starred with a five-wicket haul as England bowled out Australia for 152 on Day 1 at the MCG. His performance ended a 27-year wait for an England five-for at the venue.

NEW DELHI. (Agency)

England produced a much-improved performance with the ball on Day 1 of the Boxing Day Test against Australia, with Josh Tongue emerging as the standout performer. The right-arm quick claimed a superb five-wicket haul as Australia were bundled out for 152 in front of a record crowd at the Melbourne Cricket Ground.A total of 93,442 spectators packed the iconic venue on Friday, setting a new record for a cricket match at the MCG and eclipsing the 93,013 that attended the 2015 World Cup final. Tongue's exploits ensured the occasion belonged firmly to England, as he became the first visiting England bowler in 27 years to take a five-wicket haul at the MCG. In doing so, he ended England's long wait for such a performance at the ground, becoming the first since Darren Gough in 1998 to achieve the feat in a Boxing Day Test.England won the toss and, encouraged by a grass-rich surface, had no hesitation in opting to bowl first. Gus Atkinson, drafted into the side in place of the injured Jofra Archer, struck early by removing the dangerous Travis Head for 12. However, Brydon Carse struggled to contain the scoring at the other end, allowing Australia to find some early momentum.

A PEACH TO STEVE SMITH

That changed swiftly once Tongue was introduced as first-change. Hitting fuller lengths and extracting movement off the seam, he not only stemmed the flow of runs but ripped through Australia's top order in a devastating spell. He struck three times in the morning session, dismissing opener Jake Weatherald for 10, number three Marnus Labuschagne for six, and recalled captain Steve Smith for nine.Tongue enjoyed a slice of fortune with the dismissal of Weatherald, who nicked a delivery down the leg side, but the bowler made the most of the breakthrough. He relentlessly targeted the corridor of uncertainty, drawing Labuschagne forward before finding the outside edge, safely taken in the slip cordon.The highlight of the spell was the dismissal of Smith, who was playing his first Test of the series after missing the Adelaide encounter. Tongue produced a delivery of the highest quality, pitching it up and getting it to nip back sharply to beat Smith's bat and pad and crash into middle stump. Smith acknowledged the brilliance of the ball, aware that it had taken something special to remove him just as he looked to settle.Australia reached lunch at 72 for four, having lost three wickets to Tongue's opening burst of 3 for 24. Shortly after the interval, Atkinson struck again, removing Usman Khawaja for 29 to break a 38-run stand. England successfully overturned the on-field decision via review, with Snicko detecting a faint edge through to wicketkeeper Jamie Smith.

Any hopes of a recovery were dashed by a dramatic late collapse. All-rounder Cameron Green, demoted to number seven in the batting order, was run out for 17, triggering a rapid unraveling. Australia lost their last four wickets for just nine runs, and their final three without adding a single run. Mitchell Starc made one, Michael Neser contributed a defiant 35, while Scott Boland fell for a duck.Wicketkeeper Alex Carey also squandered a start, gifting his wicket for 20 to Ben Stokes by flicking a leg-side delivery straight to Zak Crawley at leg gully.

Harmanpreet Kaur on the cusp of history, set to surpass Meg Lanning's major record

NEW DELHI. (Agency)

Harmanpreet Kaur is on the cusp of history as she stands just one win away from becoming the most successful captain, in terms of victories, in T20I history. The India women's T20I skipper is currently the joint most successful captain in the format, having led her team to 76 wins from 129 matches.As India take on Sri Lanka in the third T20I on Friday, December 26, Harmanpreet will have a golden opportunity to surpass legendary Australia captain Meg Lanning and become the most successful captain in the format's history. At present, Lanning sits at the top of the list, having guided her team to 76 wins from 100 matches.Lanning has also led Australia to a staggering four T20 World Cup titles, winning the tournament in 2014, 2018, 2020 and 2023. In contrast, India's best performance in the T20 World Cup under Harmanpreet Kaur came in 2020, when she led the team to the final of the tournament and finished as runners-up after losing to Australia in the summit clash.Harmanpreet recently etched her name into the history books by guiding India to their maiden World Cup triumph in 2025 on home soil. With the next T20 World Cup scheduled to be played in June and July 2026 in England, India have firmly set their sights on adding another ICC trophy to their cabinet.India are currently leading Sri Lanka by 2-0 in the five-match series and will be aiming to seal the rubber with yet another clinical performance in the third fixture at the Greenfield International Stadium in Thiruvananthapuram.Following the Sri Lanka series, India will next tour Australia in February for a three-match series, which will be followed by another three-match series in England. These tours will serve as a crucial prelude to the T20 World Cup.

Harmanpreet Kaur is one win away from becoming the most successful T20I captain in history. She will surpass Meg Lanning to occupy the top of the list with another victory against Sri Lanka.

India have been placed in Group A alongside Pakistan, South Africa and Australia, and will begin their campaign against arch-rivals Pakistan on June 14 in Birmingham.

Vijay Hazare Trophy: Rohit Sharma out for 0 in Jaipur, disappointed fans leave stadium

CHENNAI. (Agency)

Rohit Sharma fell for a golden duck in his second Vijay Hazare Trophy match for Mumbai this season, at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur. Playing against Uttarakhand, Rohit was

dismissed off the very first delivery he faced by 25-year-old fast bowler Devendra Singh Bora, as he attempted his trademark pull shot to a short ball.Hundreds of fans had turned up to watch Rohit feature in the domestic fixture on Friday, December 26. Some of them were even seen making their way to the Sawai Mansingh Stadium as early as 6 am local time, braving the winter chill just to catch a glimpse of their favourite star.However, their excitement was short-lived, as Rohit was dismissed in the opening over of the match after Uttarakhand won the toss and opted to field.According to reports, a large section of fans began leaving the stadium immediately after Rohit's dismissal. The atmosphere at the venue fell silent once the catch at deep square leg was taken.A few supporters were also seen calling for a no-ball, urging the umpires to offer Rohit a reprieve so they could continue watching the master batsman perform in their hometown.

WATCH: ROHIT SHARMA OUT FOR 0 IN JAIPURFans had started trickling into the stands after news broke that Mumbai would bat first, but they were instead left nursing a massive heartbreak.The match marked only Rohit's second Vijay Hazare Trophy appearance in eight years. Earlier in the week, on Wednesday, he had lit up the Jaipur crowd with a sensational match-winning 155 off just 94 balls against Sikkim. Fans packed the stadium to witness the electrifying innings, which included 18 fours and nine sixes.

Australia's Pat Cummins targets T20 World Cup return after Ashes cameo

NEW DELHI. (Agency)

Australia's Test and ODI captain Pat Cummins will take a step back from red-ball duties after his successful hit-and-run appearance in the Ashes, with the fast bowler now turning his focus towards a possible return at the T20 World Cup in India and Sri Lanka early next year.

Cummins missed the first two Tests of the Ashes series after sustaining a lower-back injury during Australia's tour of the West Indies in June-July. He returned for the third Test in Adelaide and made an immediate impact, claiming six wickets in a commanding performance that helped Australia seal the series.With the Ashes urn secured, Australian team management opted not to risk Cummins for the remaining two Tests, prioritising his long-term fitness. The 32-year-old said on Friday that he would now rest before targeting the T20 "Feeling good, so got through Adelaide unscathed, so pretty happy," Cummins told Channel 7 during the lunch break on the opening day of the Boxing Day Test. "As of a few weeks ago, I was still coming back

from a back injury, so playing back-to-back Test matches was pretty high risk.World Cup, which begins in early February.Cool our heels for a little bit with the T20 World Cup next month," he added.

Cummins' comments came days after Australia coach Andrew McDonald suggested that the fast bowler was not a certainty for the T20 World Cup squad, underlining the cautious approach being taken with his workload. Australia begin their campaign on February 11 against Ireland in Colombo.While Cummins continues to lead Australia in Tests and ODIs, all-rounder Mitchell Marsh remains the captain in the shortest format, a role he is expected to retain for the global event.Cummins also provided an update on veteran spinner Nathan Lyon, who faces an extended spell on the sidelines after undergoing surgery on his hamstring. Lyon sustained the injury on the final day of the Adelaide Test and was operated on shortly after."He had surgery a couple of days ago, so he'll have a lengthy layoff. I don't know exactly, but it will be at least a few months," Cummins said. "Bit of a long road ahead for him, but he's done it before so hopefully he'll be back.

Trivandrum triumph a foregone conclusion India eye series win vs toothless Sri Lanka

IND-W vs SL-W, 3rd T20I: Harmanpreet Kaur's side have dominated the five-match T20I series so far, winning both matches in Vizag and now looking to carry that momentum into Trivandrum.

CHENNAI. (Agency)

The Vizag encounter was anything but a contest. India cruised past Chamari Athapaththu's Sri Lanka with clinical precision, asserting dominance in every department and seizing a 2-0 lead in the five-match T20 series.Since their World Cup triumph last month, the Men in Blue have carried an unmistakable aura of invincibility, blending rhythm, firepower, and calm confidence - a combination that Sri Lanka struggled to match.As the caravan moves south to Trivandrum for Friday's third T20I, Sri Lanka face an uphill battle. Their batting has faltered at crucial junctures, while their bowling has lacked the sting needed to trouble a rampaging Indian lineup.To salvage pride and turn the tide, the visitors will need more than flashes of brilliance - they will need a performance of near-perfect execution against a team that shows no signs of slowing down.

HARMANPREET EYES HISTORY

Going into the next game, Harmanpreet Kaur stands on the brink of history. One more victory will see the Indian skipper become the most successful captain in Women's T20Is, surpassing the legendary Meg Lanning. Harmanpreet has led India to 76 wins in T20Is, a testament to her longevity and leadership at the highest level.Milestones have become a familiar companion in Harmanpreet's career. Recently, she became only the second woman cricketer to feature in 350 or more international matches, underlining her remarkable durability and consistency across formats. Only New Zealand's Suzie Bates stands ahead of her on the all-time list, with 355 appearances.As India prepare for the

next encounter, the match offers more than just a result — it presents Harmanpreet with an opportunity to etch her name deeper into cricketing folklore, reaffirming her status as one of the game's enduring greats.

WILL DEEPTI RETURN?

Going into the next game, India face a familiar selection conundrum. Deepti Sharma missed the previous match after falling ill, paving the way for Sneh Rana, who made the most of her chance. The off-spinning all-rounder bowled with control and purpose, returning figures of 4-0-11-1 and removing Chamari Athapaththu just as the Sri Lankan captain was threatening to take charge.

Rana's performance complicates the team combination ahead of the next outing. Head coach Amol Muzumdar confirmed that Deepti is available for the gameIf Deepti plays, Amanjot Kaur could find herself under pressure, having had limited opportunities so far - no time in the middle with the bat and only three overs bowled without success.Meanwhile, Shree Charani and Vaishnavi Sharma strengthened their case by picking up two wickets each in the last game. On form, neither deserves to be left out, leaving India with a welcome headache as they look to balance depth, form, and flexibility in the XI.

Shraddha Kapoor

Charges More Money Than Alia Bhatt, Says Shakti Kapoor: 'Best Karti Hai'

Shakti Kapoor has dismissed claims that his daughter Shraddha Kapoor is not getting any work, especially compared to actresses like Alia Bhatt and Ananya Panday. Shakti Kapoor mentioned that Shraddha is selective about her work but charges more money.

Shakti said on the Powerful Humans YouTube channel, "Woh picturein hi kam karti hai. Best karti hai. Par paisa zyada leti hai. In sabse zyada paisa leti hai. She does just one or two films a year (She does very few films. She picks the best films, and charges more than all these people)."Shakti added, "Bahut ziddi hai… She is very stubborn and does what her heart says. She has certain ethics and follows them strictly… We share a great relationship. Sometimes we fight, sometimes we plan holidays, sometimes we discuss films. I am very proud of her – her performances are outstanding. She is a very fine actor."

Shraddha Kapoor's most notable recent film is the horror-comedy Stree 2, released in August 2024. In this Amar Kaushik-directed sequel, she reprised her beloved role alongside Rajkummar Rao, Pankaj Tripathi and others. The film continued the blend of scares and laughs that made the original Stree a hit and became one of the highest-grossing female-led Hindi films, earning huge worldwide box office figures.

Despite the blockbuster success of Stree 2, Shraddha did not have a theatrical release in 2025, making it a relatively quiet year for her on the big screen. Reports note that she took time off to develop new projects, read scripts, and plan her next moves rather than appear in multiple films. Though 2025 didn't see new releases from her, several projects are underway or reported in development.

Shraddha began shooting a biographical film titled Eetha, directed by Laxman Utekar, where she portrays legendary Maharashtrian Lavani artist Vithabai Bhau Mang Narayangaonkar. This marks one of her most performance-intensive roles to date, involving dramatic preparation — including weight gain and intense dance scenes — and confirms her interest in content-driven, character-rich cinema. In this stage of her career, Shraddha appears to be more selective about roles. Rather than constant releases, she's been choosing distinctive and diverse projects.

Shehnaaz Gill

Dances To Hania Aamir's Pakistani Song Amid Indo-Pak Tensions; Internet Reacts

The popularity of Pakistani dramas and their original soundtracks continues to grow across borders, and 2025 has only amplified this cultural wave. With binge-worthy shows and emotionally charged music, several Pakistani OSTs have found massive audiences not just at home but also in India and beyond. One such drama currently dominating conversations is Meri Zindagi Hai Tu, starring Bilal Abbas Khan and Hania Aamir.

While the show has been praised for its gripping storyline and the lead pair's chemistry, it is the OST that has truly captured hearts. Sung by Asim Azhar along with the legendary Sabri Sisters, the soulful track has topped music charts and enjoys immense popularity across South Asia.

Despite recent digital restrictions in India following the deadly Pahalgam terror attack in late April 2025 after which Instagram accounts of several Pakistani artists, including Hania Aamir, Mahira Khan and Ali Zafar were restricted for Indian users, the song's popularity has shown no signs of slowing down.

Shehnaaz Gill shares video grooving to Meri Zindagi Hai Tu

Joining the growing list of admirers is Bigg Boss 13 fame Shehnaaz Gill. The actor recently shared a video on Instagram in which she is seen grooving to the Meri Zindagi Hai Tu OST. Clearly enjoying the track, Shehnaaz captioned the post, "Obsessed with this song, even more obsessed with myself."

The video quickly grabbed attention online, with fans showering love on her carefree vibe. Singer Asim Azhar also reacted to the clip and commented, "Gaana toh no doubt acha hai."Shehnaaz rose to nationwide fame after her stint on Bigg Boss 13 and later made her Bollywood debut with Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan and

Thank You For Coming. While the films didn't deliver the stardom she had hoped for, Shehnaaz made a strong comeback in Punjabi cinema with Ikk Kudi. The film marked her debut as a producer in addition to playing the lead role and received widespread appreciation.

The success of Ikk Kudi has further strengthened Shehnaaz's position in the industry. The woman-led Punjabi film reportedly collected around Rs 15 crore worldwide, an impressive feat for a regional release. It was also lauded for breaking away from male-dominated narratives in regional cinema.Speaking about stepping into production, Shehnaaz told Hindustan Times, "My heart kept telling me this was the moment to do something big for myself. That inner voice is what pushed me to finally debut as a producer.

Sussanne Khan Shares Unseen Photos Of Sons Hrehaan And Hridaan, Calls Herself 'Mama Lioness'

Entrepreneur and interior designer Sussanne Khan has shared a heartfelt tribute to her sons, Hrehaan and Hridaan, calling herself a "Mama Lioness".Expressing immense pride in her children's courage and bright spirits, Sussanne shared a beautiful post on her social media account.

In an emotional caption accompanied by her photo with her children at her former sister-in-law's wedding, Sussanne wrote how immensely proud she is of her kids.

"The Mama Lioness… with my Heart beaming with my sunshine's pride… My Ray and Ridza. From here till the end of time, you both have been my bravest-hearted Knights… so so proud to call you mine," read the note.Hrithik and Sussanne's sons were born in 2006 and 2008, respectively, and have largely grown up being away from the film industry spotlight.

Hrithik and Sussanne, who got married in 2000, went separate ways in 2014, ending their 14 years of marriage. The two continue to co-parent their sons.In recent years, Sussanne has announced her relationship with actor Arslan Goni, while Hrithik Roshan has moved on with actress Saba Azad. Despite divorce, Sussanne and Hrithik have remained good friends of each other and are often seen standing with one another in the ups and downs of life.Hrehaan and Hridaan are the apple of the Roshan family's eyes. Recently, their grandmother and Hrithik Roshan's mother, Pinkie Roshan, had shared a photo with the two and stated that she was extremely proud of them.

Sharing a picture on her social media account, Pinkie wrote, "I am a very proud Dadi." The picture seems to be from a recent wedding function at the Roshan household.

Yami Gautam Shot Article 370 While Pregnant With Her And Aditya Dhar's Child: 'How Nervous...'

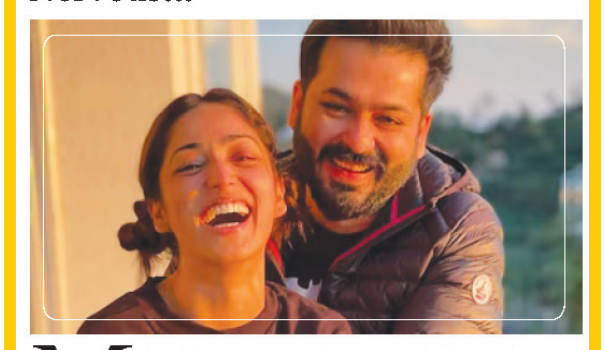

Motherhood does not arrive quietly. It changes routines, priorities and the way you see yourself. For Yami Gautam, that shift became real in 2024, when she welcomed her son Vedavid with husband Aditya Dhar. Now, the actor is speaking in simple, honest terms about working after becoming a mother, the guilt that followed, and the advice that helped her steady herself.

'Guilt is not just a word'

Talking to Humans of Bombay, Yami addressed something many working mothers struggle with but rarely say out loud. "Guilt is not just a word, it's an emotion. It's a very hard-to-ignore emotion," she said, explaining how deeply it affected her after childbirth. At a crucial moment, it was her mother who stepped in with clarity. Recalling that conversation, Yami shared, "She told me, 'Don't feel that guilt. I'm here as your mother and I'll always support you.If working makes you happy, you've worked all your life to reach here. You're not being selfish.'" Her mother also reminded her that motherhood does not mean giving up on dreams. "That is life, that's God's way of rewarding you. Your child is a blessing from God," Yami added.

Shooting while pregnant

Yami revealed that she was pregnant while filming Article 370, a phase that made her anxious. "I was expecting when I was shooting Article 370, so you can imagine how nervous I must have been," she said.

She explained that her mother encouraged her to continue working as long as she was medically fit, which helped her stay calm during that period.

Returning to films after childbirth

The actor also spoke about resuming work when her son was nine months old. She said this was possible only because her mother was by her side. "I could work because my mother was there. No matter how many helping hands you have, you need someone of your own, someone your heart trusts," she said.

Sharing a practical example from a demanding shoot, Yami recalled, "There was only one weekly off and one operational flight. After pack-up, I would take that flight, spend one day with my baby, and take the early morning flight back straight to the set."She stressed that support systems matter, adding, "Whether you're a working mother or a stay-at-home mom, respect to all mothers. There is no harm in asking for help. As a family, everyone must try to support the mother." At the same time, she spoke about professional responsibility. "If you choose to work in an industry where the stakes are so high, you also need to do justice to that work. It's your choice, and if you make it, you must give it your 100 percent," she said.